शुक्रवार
16 जून, 2023
डिजिटल संस्करण

केशव टाइम्स
आपकी आवाज

अपराध की योजना बनाते चार अपराधी गिरफ्तार, एक देसी पिस्टल बरामद 2

पटना पुलिस की लापरवाही... सिपाही की आंख में बाम लगा भाग निकले तीन कैदी

♦ सुबह करीब 11.30 बजे फुलवारीशरीफ जेल से पेशी के लिए कोर्ट लाए जाने के दौरान संत जोसेफ कॉन्वेंट स्कूल के पास घटी घटना

केटी न्यूज/पटना

राजधानी पटना में पुलिस को चकमा देकर तीन कैदी गुरुवार को फरार हो गए। फुलवारीशरीफ जेल से 45 कैदियों को पेशी के लिए पटना सिविल कोर्ट लाया गया था। इसी दौरान तीन कैदी वाहन से कूदकर भाग गए। टाउन डीएसपी अशोक कुमार सिंह ने इसकी पुष्टि की है। अशोक कुमार सिंह ने बताया कि सुबह करीब 11.30 बजे फुलवारीशरीफ जेल से 45 कैदियों को लाया जा रहा था। इसी दौरान की ये घटना है।

इस पूरे मामले में टाउन डीएसपी अशोक कुमार सिंह ने बताया कि जब सुबह पेशी के

लिए कैदियों को लाया जा रहा था तो इसी दौरान रास्ते में सड़क पर कुछ लोग आपस में विवाद कर रहे थे। इसको देखकर कैदी वाहन के चालक ने गाड़ी रोक दी। इसके बाद कैदी वाहन से सिपाही बाहर निकल कर सड़क पर हो रहे विवाद को सुलझाने लगे। इसी दौरान तीन कैदियों ने वाहन में सवार सिपाही की आंख में बाम झोंक दिया और भाग निकले। कैदियों के पास बाम कहां से आया इसको लेकर पुलिस ने कुछ नहीं बताया।

दरअसल यह पूरी घटना संत जोसेफ कॉन्वेंट स्कूल के पास की है। भागे तीनों कैदियों को लेकर पुलिस छानबीन कर रही है। तीनों कैदी एनडीपएस एक्ट और आर्म्स एक्ट के तहत जेल भेजे गए थे।

भीषण सड़क हादसा... जमुई में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने बाइक में मारी टक्कर, तीन युवकों की मौके पर ही मौत

जमुई। जमुई में भीषण सड़क हादसे में तीन लड़कों की मौत हो गई। हादसा सिकंदरा-नवादा मुख्य मार्ग के रामपुर गांव के पास हुआ। गुरुवार सुबह तीनों लड़के एक ही बाइक पर बैठकर नवादा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि तीनों हवा में करीब 10 फीट उछल गए। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर मारने के बाद स्कॉर्पियो चालक गाड़ी लेकर फरार हो गया।

सड़क पर हंगामा करने लगे गुस्साए लोग

इधर, तीनों की लाश सड़क पर देख स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने तीनों के परिजनों को मामले की जानकारी दी। परिजन और ग्रामीण वहां पहुंचे और हंगामा करने लगे। गुस्साए लोगों ने सड़क को जाम कर दिया और नारेबाजी करने लगे। वे स्कॉर्पियो चालक की गिरफ्तारी और मुआवजे की मांग करने लगे। इधर, दौरान सिकंदारा-नवादा हाईवे पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। पुलिस लोगों को समझाने में जुट गई। ग्रामीणों ने अनुसार, तीनों लड़के बाइक से नवादा की जा रहे थे, इसी दौरान हादसा हुआ। लोगों ने कहा कि पुलिस- प्रशासन को इस मामले को गंभीरता से लेनी चाहिए। सड़क हादसे पर लगाम लगाने से स्पीड लिमिट करना चाहिए। साथ ही ऐसे चालकों पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

परिजनों को मिला मुआवजे का आश्वासन

हादसे में जान गंवाने वाले तीनों लड़क एक ही गांव के हैं। इनकी पहचान सिकंदरा थाना क्षेत्र के दिघोत निवासी जोगिंदर रविदास के पुत्र विनय (14), दयाचंद रविदास के पुत्र रामप्रवेश (15) और धोबी मांझी के वर्षीय पुत्र धनराज (17) के रूप में हुई है। पुलिस लोगों को मुआवजे का आश्वासन दिया गया है।

सीएम नीतीश की सुरक्षा घेरा में घुसे बाइकर, निकले चेन स्नेचर

केटी न्यूज/पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सुरक्षा में गुरुवार को बड़ी चूक हुई। मॉर्निंग वॉक के दौरान स्टंट करते बाइकर सीएम की सुरक्षा घेरा के अंदर घुस गए। नीतीश कुमार को खुद को बाइकर से बचाने के लिए सड़क से फुटपाथ की ओर जाना पड़ा। रिपोर्ट के मुताबिक नीतीश कुमार गुरुवार को मॉर्निंग वॉक के दौरान मुख्यमंत्री आवास से 7 सर्कुलर की ओर जा रहे थे। उन्हें सड़क से फुटपाथ की ओर जाना था। तभी एक बाइक सवार उनके पास पहुंच गया। हालांकि, नीतीश की सुरक्षा में तैनात सुरक्षाकर्मियों ने उसे पकड़ लिया। इसके बाद एसएसजी कमांडेंट और पटना एसएसपी को सीएम आवास बुलाया गया।

पुलिस ने जब इन बाइकर्स को पकड़ा तो ये असल में चेन स्नैचर निकले और हैरानी की बात है कि सीएम आवास से कुछ ही दूरी पर चेन झपट आ रहे थे कि तभी सीएम नीतीश के सुरक्षा घेरे में घुस गए। ये पहला मौका नहीं है जब नीतीश कुमार की सुरक्षा में चूक हुई है। पिछले साल अप्रैल में ही नालंदा में सीएम के कार्यक्रम स्थल पर किसी ने बम फोड़ दिया था। तेज आवाज से वहां अफरातफरी मच गई थी।

खबरें फटाफट

ट्रेन हादसे में जान गंवानेवाले बिहार के लोगों के परिजनों को मिलेंगे दो-दो लाख

पटना। ओडिसा के बालासोर में हुए ट्रेन हादसे में मृत हुए बिहार के लोगों के परिजनों व हादसे में घायल हुए लोगों के लिए बिहार सरकार द्वारा मुआवजे का एलान किया गया है। सीएम नीतीश कुमार ने ओडिशा के बालासोर में हुई भीषण रेल दुर्घटना में बिहार के प्रत्येक मृतक के परिजनों को 02-02 लाख रुपए एवं गंभीर रूप से घायलों को 50-50 हजार रुपए का अनुग्रह अनुदान देने की घोषणा की है। इससे पहले बालासोर रेल दुर्घटना में बिहार के यात्रियों को मदद पहुँचाने के उद्देश्य से चार अधिकारियों की एक टीम को ओडिशा सरकार, रेलवे एवं बालासोर जिला प्रशासन के साथ समन्वय एवं सहयोग हेतु भेजा गया था। प्रतिनियुक्त टीम के द्वारा बालासोर, कटक एवं भुवनेश्वर ईलाजरत बिहार के यात्रियों से मुलाकात की गयी एवं उनके बेहतर ईलाज हेतु जिला प्रशासन एवं अस्पताल प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित किया गया। सीएम नीतीश कुमार ने इस हादसे में मृत लोगों के परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते यह घटना काफी दुखद है। सीएम नीतीश कुमार ने दुर्घटना में घायल हुये लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी ईश्वर से कामना की है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनसभा को किया संबोधित

अयोध्या धर्मनगरी, यहां मांस मदिरा का सेवन प्रतिबंधित हो

♦ मोदी सरकार के कार्यकाल के 9 साल पूरे होने पर अयोध्या पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ
♦ लोगों से की अपील... इस बार दीपोत्सव का 21 लाख दीप प्रज्जवलन का लक्ष्य रखिए

एजेंसी/अयोध्या

आज अयोध्या में 32 हजार करोड़ की परियोजनाओं के कार्य हो रहे हैं। इतनी परियोजना देश के किसी एक शहर में नहीं चल रही होगी। जिस दिन कार्य जमीनी धरातल पर उतरेंगे, अयोध्या दुनिया की सुंदरतम नगरी के रूप में रहेगी। मोदी सरकार के कार्यकाल के 9 साल पूरे होने पर अयोध्या पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को जनसभा को संबोधित करते ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि जनवरी में पीएम मोदी के करकमलों से रामलला 500 वर्ष बाद अपने स्वयं के मंदिर में विराजमान होंगे तो दुनिया अयोध्या की तरफ आकर्षित होगी। योगी ने कहा कि अयोध्या में मुख्य रेलवे स्टेशन का विकास हो रहा है। सूर्यकुंड और भरतकुंड में भी रेलवे विकास के काम शुरू होनेवाले हैं। इंटरनेशनल एयरपोर्ट इसी साल बनकर तैयार हो जाएगा। हर बड़ी सिटी अयोध्या से जुड़ना चाहती है। इस बार दीपोत्सव का 21 लाख दीप प्रज्जवलन का लक्ष्य रखिए। सभी घाटों, मठ-मंदिर, सूर्यकुंड-भरत कुंड के साथ हर घर में दीप प्रज्जवलन के कार्यक्रम होने चाहिए। अभी से कार्यक्रम की तैयारी शुरू कर दें।

अब अयोध्या के साथ कोई अन्याय नहीं कर सकता

आज हमारी अयोध्या दुनिया की सबसे वैभवशाली नगरी बन रही है। अब अयोध्या के साथ कोई अन्याय नहीं कर सकता है। अयोध्या के गौरव और वैभव के साथ किसी को खिलवाड़ करने की छूट नहीं देंगे। अगले साल अयोध्या में हमारे प्रभु श्रीराम आने वाले हैं। घर-महल में विराजमान होने वाले हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या धर्मनगरी हैं, ऐसे में जनभावनाओं का सम्मान करते हुए यहां मांस-मदिरा उपयोग का निषेध होना चाहिए। सीएम ने कहा कि पहले अयोध्या के लिए न सड़कें थीं और न ही ट्रेन। पहले गोरखपुर और लखनऊ से अयोध्या आने में पांच-छह घंटे लगते थे, आज एक घंटे में सफर तय हो रहा है। एयरपोर्ट बनने के बाद त्रेतायुग की याद को ताजा करने का अवसर मिलेगा।

दो हजार करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण

सीएम योगी ने कहा कि लंका विजय के बाद प्रभु श्रीराम पुष्पक विमान से अयोध्या आए होंगे। आज अयोध्या के हर वासी को विमान यात्रा से देश-दुनिया में उड़ान का अवसर मिलेगा। सीएम ने कहा कि अयोध्या में महापौर के साथ विभिन्न नगर निकायों में डबल इंजन की सरकार पर विश्वास किया। इसलिए डबल इंजन की बीजेपी सरकार आपके सहयोग से बिना भेदभाव गरीब कल्याणकारी योजनाएं हर जन तक पहुंचाने का काम कर रही है। आज उसी श्रृंखला में अयोध्या लोकसभा सीट के अंतर्गत दो हजार करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हो रहा है। सीएम ने कहा कि अयोध्या सबसे वैभवशाली नगरी और जनपद सबसे वैभवशाली बन रहा है।

अयोध्या की सड़कें दिल्ली की राजपथ सी लगेंगी

सीएम ने बताया कि कल रात 11 बजे उन्होंने सूर्यकुंड देखा। उन्हें याद है कि आज से तीन-चार वर्ष पहले सूर्यकुंड जर्जर था। अब सूर्यकुंड ने अहसास करा दिया कि अयोध्या इसी तरह बनेगी। सीएम ने सूर्यकुंड की स्थिति के बारे में लोगों से ही पूछा। सीएम ने कहा कि अभी प्रारंभिक रूप में कार्य के कारण परेशानी हो रही होगी, लेकिन बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए शुरुआती कठिनाई झेलनी पड़ती है। अगले चार-छह महीने में अयोध्या की सड़कें दिल्ली की राजपथ सी लगेंगी। हमने उसका नाम रामपथ ही रखा है। भक्तिपथ के रूप में भी शानदार मार्ग बनने जा रहा है।

पटना, आरा-बक्सर समेत दक्षिण बिहार में 18 जून तक भीषण गर्मी से राहत मिलने के नहीं हैं आसार

केटी न्यूज/पटना

बिहार में भले ही मानसून की एंट्री हो चुकी हो लेकिन कई जिले अब भी तप रहे हैं। खासतौर से दक्षिण बिहार में अगले तीन दिनों तक हीटवेव से राहत के आसार नहीं हैं। हालांकि, शुक्रवार को उत्तर-मध्य और उत्तर-पूर्व जिलों में बारिश के आसार जताए गए हैं। लेकिन दक्षिण बिहार के कई हिस्सों में 18 जून तक भीषण गर्मी की स्थिति बनी रहेगी। पटना मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, नवादा, शेखपुरा, औरंगाबाद और भोजपुर में लू को

लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं गया, सीवान, नालंदा और रोहतास में हीटवेव को लेकर येलो अलर्ट है।

मौसम विभाग के मुताबिक, राज्य में कुछ जगहों पर आंधी-बारिश हो सकती है। राज्य के उत्तरी और दक्षिण-पूर्वी हिस्सों में 17 और 18 जून को गरज के साथ बारिश को लेकर येलो अलर्ट हैं। अगले तीन दिनों के दौरान छिटपुट बारिश के आसार हैं। वहीं दक्षिण बिहार में अगले तीन दिनों तक हीटवेव की स्थिति बनी रहने की उम्मीद है।

बिपरजॉय साइक्लॉन का क्या होगा असर? अरब सागर से उठे चक्रवात बिपरजॉय को लेकर मौसम विभाग की ओर से लगातार जरूरी अपडेट जारी किए जा रहे हैं। हालांकि, बिहार में बिपरजॉय से क्या मौसम में कुछ बदलाव आएगा इस पर मौसम विभाग ने अभी कोई बड़ा अपडेट नहीं दिया है।

क्रिकेट का महामुकाबला : अगस्त-सितंबर में होने वाले एशिया कप की तारीखों का ऐलान

31 अगस्त से शुरू होगा एशिया कप, श्रीलंका-पाक में खेले जाएंगे मैच

एजेंसी/नई दिल्ली

इसी साल अगस्त-सितंबर में होने वाले एशिया कप की तारीखों का ऐलान कर दिया गया है। एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) ने गुरुवार को ही यह जानकारी दी। इसके तहत मेजबान पाकिस्तान को बड़ा झटका लगा है। दरअसल, इस बार एशिया कप हाइब्रिड मॉडल के तहत खेला जाएगा। इसके तहत सिर्फ 4 ही मैच पाकिस्तान में खेले जाएंगे। बाकी मुकाबले श्रीलंका में होंगे। इस तरह यह मेजबान पाकिस्तान के लिए बड़ा झटका है। जबकि श्रीलंका की बल्ले-बल्ले हो गई है। बता दें कि शेड्यूल के मुताबिक, इस बार एशिया कप का आगाज 31 अगस्त को होगा, जबकि फाइनल मुकाबला 17 सितंबर को खेला जाएगा।

इस बार एशिया कप में भारत और पाकिस्तान समेत कुल 6 टीमों के बीच 13 मैच खेले जाएंगे। इसमें फाइनल भी शामिल है, जो

संभवतः श्रीलंका में ही खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान सिर्फ 4 मैचों की मेजबानी करेगा, जबकि बाकी 9 मुकाबले श्रीलंका में होंगे। सभी 6 टीमों के दो ग्रुप में बांटा जाएगा।

भारत के ग्रुप में पाकिस्तान और नेपाल: वनडे फॉर्मेट में इस बार एशिया कप खेला जाएगा और इसमें भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, अफगानिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल भाग लेने जा रहे हैं। भारत, नेपाल और पाकिस्तान एक ही ग्रुप में शामिल हैं। वहीं श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान दूसरे ग्रुप में रहेंगी। दोनों ग्रुप से दो-दो टीमें सुपर-4 में पहुंचेगी। फिर सुपर-4 में राउंड रॉबिन फॉर्मेट के तहत कुल 6 मैच खेले जाएंगे। इस तरह एशिया कप 2023 में फाइनल समेत कुल 13 मैच खेले जाएंगे। पाकिस्तान में मैच लाहौर में होंगे जबकि श्रीलंका में कैंडी और पल्लेकेल में मैच होंगे।

एशिया कप में टीम इंडिया का दबदबा

एशिया कप में भारतीय टीम का दबदबा रहा है। अब तक एशिया कप के 15 सीजन हुए हैं, जिसमें भारत ने सबसे ज्यादा 7 बार (1984, 1988, 1990-91, 1995, 2010, 2016, 2018) खिताब जीता है। जबकि श्रीलंका 6 बार (1986, 1997, 2004, 2008, 2014, 2022) चैम्पियन रही है। पाकिस्तान ने दो बार (2000, 2012) में खिताब जीता है।

खबरें फटाफट

रोहतास के व्यवहार न्यायालय ने एसपी से किया शो-कॉज

केटी न्यूज/ सासाराम(गुरुवार को रोहतास जिला व्यवहार न्यायालय ने 17 साल पुराने मामले में अभियुक्त की उपस्थिति करे लेकर रोहतास एसपी से शो-कॉज किया है। लापरवाही को लेकर एक रुपए का प्रतीकात्मक हजार्ना भी लगाया है। हेरोइन तस्करी से जुड़े एक मामले एनडीपीएस वाद 582006 में सुनवाई करते हुए एडीजे चतुर्थ मनोज कुमार की अदालत में अभियुक्त की न्यायालय में लंबे समय से उपस्थित नहीं कराने पर एसपी रोहतास पर एक रुपए का हजार्ना लगाने का आदेश जारी किया है। कोर्ट ने एसपी रोहतास को निर्धारित अगली तिथि पर इस संबंध में स्पष्टीकरण देने का आदेश भी जारी किया है। उक्त मामले में मामले के एक अभियुक्त मुरारी सोनकर की उपस्थिति के लिए मामला 17 सालों से न्यायालय में लंबित है जिसको लेकर कोर्ट ने पूर्व में दर्जनों आदेश संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को जारी किया था, परंतु उन आदेशों का अनुपालन नहीं किया गया। कोर्ट ने शो-कॉज एवं जुमार्ने की कार्रवाई की है।

हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर सुचारू रूप से चलाने को लेकर डीएम ने की बैठक

केटी न्यूज/जहानाबाद। गुरूवार को जिला पदाधिकारी-सह-अध्यक्ष, जिला स्वास्थ्य समिति, जहानाबाद श्री रिची पाण्डेय की अध्यक्षता में समाहरणालय प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक, काम्यूनिटी हेल्थ ऑफिसर (सीएचओ) के कार्यों की समीक्षा बैठक की। जिसमें जिले के हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर पर राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार, पटना द्वारा काम्यूनिटी हेल्थ ऑफिसर का पदस्थापन किया गया है। जिन हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर पर काम्यूनिटी हेल्थ ऑफिसर पदस्थापित नहीं हैं वहां नर्स ग्रेड ह्यएह्ल को सीएचओ का कार्य करने के लिए प्राधिकृत किया गया है। बैठक में हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर पर दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तृत समीक्षा किया गया।

आपसी विवाद में हुई मारपीट में 18 नामजद, दो गिरफ्तार

केटी न्यूज/सासाराम। रामनगर थाना क्षेत्र के बरगजवा पकड़ी गांव में आपसी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट करने के मामले में दोनों पक्षों ने थाना में अलग-अलग एफआईआर दर्ज कराया है। इस मामले में दुखी मियां ने ऐनुल खातून, इजहारूल मियां, एकबाल मियां, मोटू मियां, सैफुल मियां, अफसाना खातून, सलेया खातून, रैफुल मियां, फिरोज मियां, जोबैदा खातून रहमान मियां समेत 13 लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया है। उधर इजहारूल मियां की पत्नीव्रत जैनुल खातून ने दुखी मियां, लुटावन मियां, नूरजहां खातुन, नसीमी खातून समेत 5 लोगों को नामजद की है।

अपराध की योजना बनाते चार अपराधी गिरफ्तार,एक देसी पिस्टल, एक कट्टा, सात गोलियां बरामद

- नगर थाना क्षेत्र के यदुवंशी मंदिर के पास से बुधवार को पकड़े गए चारों दो मोबाइल और एक बाइक बरामद
- फरार दो अन्य बदमाशों की धरपकड़ को लेकर छापेमारी तेज
- एसपी बोले: आर्म्स उपलब्ध कराने वालों की भी पहचान हुई, जल्द पकड़े जायेंगे

केटी न्यूज/आरा

बरामद आर्म्स व गिरफ्तार अपराधी।

नगर थाना क्षेत्र के यदुवंशी नगर से बुधवार की दोपहर आपराधिक षड़यंत्र रचते चार अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से एक देसी पिस्टल, एक कट्टा, सात गोलियां, दो मोबाइल और एक बाइक बरामद की गयी है। इनके दो साथियों की तलाश की जा रही है। गिरफ्तार अपराधियों में बड़हरा थाना क्षेत्र के चातर गांव निवासी श्रीराम बिंद, एकौना निवासी राजेश राम, कोईलवर थाने के मटियारा गांव निवासी बंटी सिंह और नवाज थाने के मौलाबाग निवासी मिंटू खान शामिल हैं। इन अपराधियों को आर्म्स उपलब्ध कराने वालों की भी पुलिस ने पहचान कर ली है। उन सभी की धरपकड़ को लेकर छापेमारी की जा रही है।

एसपी प्रमोद कुमार ने गुरुवार को प्रेस कांफ्रेंस में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बुधवार दोपहर करीब साढ़े ग्यारह बजे सूचना मिली कि यदुवंशी नगर स्थित मंदिर के पास पांच से सात अपराधी अवैध हथियार के साथ किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। उसके बाद एएसपी चंद्रप्रकाश के नेतृत्व में टीम गठित कर तत्काल छापेमारी की गयी।

पुलिस को देख दो अपराधी तो भाग गये, लेकिन चार को गिरफ्तार कर लिया गया। तलाशी के क्रम में उनके पास से देसी पिस्टल, कट्टा, गोली, मोबाइल और बाइक बरामद की गयी। बाइक की भी जांच की जा रही है।

ऐसे में पुलिस की सक्रियता से एक बड़ी वारदात टल गयी। एसपी ने बताया कि जांच के दौरान बदमाशों को हथियार उपलब्ध कराने वालों की भी पहचान कर ली गयी है। फरार और आर्म्स उपलब्ध कराने वालों की गिरफ्तारी को टीम छापेमारी कर रही है। टीम में थानाध्यक्ष संजीव कुमार और डीआईयू के अफसर व जवान शामिल थे।

लू का कहर: भोजपुर में बुजुर्ग महिला और युवक समेत चार की मौत, तीन को लू लगने की आशंका

पोस्मार्टम रूम के बाहर शोकाकुल परिजन।

- सिकरहट्टा, कोईलवर, नगर और उदवंतनगर थाना क्षेत्र में हुई मौत
- तीन मृतकों की नहीं हो सकी है पहचान, पोस्टमार्टम के बाद छानबीन में जुटी पुलिस

केटी न्यूज/आरा

मानसून की आहट के बीच पूरे भोजपुर में हीट बेव चल रहा है। आसमान से आग बरस रही है। गर्म पछुआ हवा के थपेड़ों से लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। इस बीच गुरुवार को बुजुर्ग महिला और युवक समेत चार लोगों की मौत हो गयी। इनमें तीन की लू लगने से मौत की आशंका जताई जा रही है। पुलिस की मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट में भी तीन की लू लगने से मौत की आशंका जताई गयी है। मौत की ये घटनाएं सिकरहट्टा, टाउन, कोईलवर और उदवंतनगर थाना क्षेत्र में हुई हैं। मरने वालों में तीन की पहचान भी नहीं हो सकी है। इधर, एक दिन चार लोगों की मौत से पूरे जिले में सनसनी मची है। पुलिस शवों का पोस्टमार्टम कराने के बाद मामले की छानबीन और मृतकों की पहचान में जुट गयी है।

महिला थाना के समीप मिला युवक का शव, पहचान नहीं

आरा। टाउन थाना क्षेत्र के पुरानी पुलिस लाइन स्थित महिला थाना के सामने से गुरुवार की सुबह एक युवक का शव बरामद किया गया। उसकी पहचान नहीं हो सकी है। युवक की उम्र 35 वर्ष के करीब बतायी जा रही है। सूचना मिलने पर टाउन थाना की पुलिस पहुंची और शव का पोस्टमार्टम करवाया गया। पुलिस द्वारा लू लगने के कारण युवक की मौत होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि पुलिस की मानें तो पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगा। पुलिस शव की पहचान और मामले की छानबीन में जुट गई है।

मायके जाने के लिए घर से निकली बुजुर्ग महिला की रास्ते में गयी जान

- सिकरहट्टा थाने के चकिया नहर के पास खेत से गुरुवार की सुबह मिला शव
- लू-लगने के कारण मौत होने की जताई जा रही आशंका

आरा। भोजपुर में मायके जाने के लिए घर से निकली एक बुजुर्ग महिला की रास्ते में मौत हो गयी। उसका शव गुरुवार की सुबह सिकरहट्टा थाना क्षेत्र के चकिया गांव स्थित नहर के पास खेत से बरामद किया गया। मृत महिला पीरो थाना क्षेत्र के सारोपुर गांव निवासी शिवपूजन सिंह की 58 वर्षीया पत्नी शांति देवी थी। वह बुधवार को मायके जाने के लिए अपने घर से निकली थी। मौके पर देखते ही देखते लोगों की भीड़ जमा हो गयी। सूचना मिलने पर पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और शव का पोस्टमार्टम करवाया। इधर, महिला के बेटे अनिल कुमार सिंह ने बताया कि बुधवार सुबह नौ बजे वह घर से अपने मायके सिकरहट्टा थाना क्षेत्र के चकिया गांव जाने के लिए निकली थी। शाम तक लौट आने की बात कह घर से निकली थी। देर शाम तक वह घर नहीं लौटी, तो चकिया गांव स्थित अपने रिश्तेदार के यहां फोन कर जानकारी ली गयी। तब रिश्तेदारों द्वारा बताया गया कि वह नहीं पहुंची हैं। उसके बाद काफी खोजबीन की गयी। अन्य रिश्तेदारों के घर भी फोन किया गया, लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया। गुरुवार सुबह करीब 10 बजे स्थानीय लोगों द्वारा सूचना मिली कि चकिया गांव के पास खेत में एक बुजुर्ग महिला का शव पड़ा है। तब वे लोग घटनास्थल पर पहुंचे और उनकी पहचान की गई। उनके पुत्र का कहना कि मौत का कारण स्पष्ट नहीं है। वहीं पुलिस की मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट में लू-लगने के कारण मौत होने की आशंका जताई गयी है। हालांकि पुलिस का कहना है पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगा। बताया जाता है कि महिला को तीन पुत्री अंजू देवी, पिंकी देवी व कमला देवी और एक पुत्र अनिल कुमार सिंह हैं। घटना के बाद महिला के घर में कोहराम मच गया।

तेतरिया के पास रेल लाइन के किनारे मिला युवक का शव

आरा। उदवंतनगर थाना क्षेत्र के तेतरिया गांव स्थित रेलवे लाइन के समीप गुरुवार की सुबह एक युवक का शव बरामद किया गया। उसकी भी पहचान नहीं हो सकी है। हालांकि उसकी उम्र 40 साल आंकी जा रही है। शव मिलने से इलाके में अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया। सूचना पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव का पोस्टमार्टम करवाया गया। युवक की मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और युवक की पहचान होने के बाद ही मौत का कारण क्लीयर हो सकेगा।

आरा-छपरा फोरलेन किनारे मिला बुजुर्ग का शव

आरा। आरा-छपरा फोरलेन पर कोईलवर थाना क्षेत्र के दौलतपुर गांव के समीप एक बुजुर्ग की मौत हो गयी। उसका शव गुरुवार सुबह दौलतपुर स्थित एक मड़ई के समीप पेड़ के नीचे से बरामद हुआ। हालांकि 60 वर्षीय बुजुर्ग की पहचान नहीं हो सकी है। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद बुजुर्ग की पहचान और मामले की छानबीन शुरू कर दी। वैसे पुलिस लू लगने के कारण बुजुर्ग की मौत होने की आशंका जता रही है।

एक नजर

कोईलवर कांड: महिला कांस्टेबल को थप्पड़ जड़ने वाला थाने का चालक सस्पेंड

केटी न्यूज/ आरा। भोजपुर के कोईलवर में महिला कांस्टेबल को सरेआम थप्पड़ जड़ने के मामले में पुलिस कप्तान ने सख्त रवैया अपनाया है। थप्पड़ जड़ने वाले चालक को सस्पेंड कर दिया गया है। एएसपी की जांच रिपोर्ट के आधार पर एसपी द्वारा यह कार्रवाई की गयी है। वहीं चालक और महिला कांस्टेबल से शोकॉज भी किया गया है। इधर, घटना के कारणों की विस्तृत जांच के लिए एएसपी चंद्रप्रकाश के नेतृत्व में टीम गठित कर दी गयी है। उसमें महिला अफसर भी शामिल की गयी है। एसपी प्रमोद कुमार ने बताया कि सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद एएसपी से जांच करायी गयी। शुरूआती जांच में सिपाही द्वारा बताया गया कि गलती से हो गया है। उसके बाद तत्काल प्रभाव से चालक को सस्पेंड करते हुए लाइन में भेज दिया गया है। दोनों से शोकॉज भी किया गया है। इसके अलावे घटना के कारणों की जांच के लिए एएसपी के नेतृत्व में टीम गठित की गयी है। उसमें महिला अफसर भी शामिल की गयी है। टीम पता लगायेगी कि आखिर घटना का मूल कारण क्या था? दोनों के बीच पहले से कोई विवाद था या फिर तात्कालिक कारणों से ऐसा किया गया। जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। बताते चले कि बुधवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो खूब वायरल हो रहा था। उसमें कोईलवर थाने के चालक द्वारा महिला कांस्टेबल को थप्पड़ लगाते देखा जा रहा था। दरअसल, पुलिस दो पक्षों का जमीन विवाद सुलझाने गयी थी। वहां पुलिस और एक पक्ष के लोगों के बीच नोंकझोंक हो रही थी। उसी क्रम में भीड़ के बीच ही चालक द्वारा महिला कांस्टेबल को जोरदार थप्पड़ जड़ दिया गया। वीडियो एसपी तक पहुंचा तो उसकी जांच करायी गयी।

वार्ड सदस्य ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली

केटी न्यूज/सासाराम। स्थानीय थाना क्षेत्र के शेरपुर गांव में महिला वार्ड सदस्य ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। मनीष कुमार की पत्नी चिंता देवी (24) बताई जाती है। जो अकोढ़ी पंचायत के वार्ड सात के वार्ड सदस्य थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर लाश को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेजा गया। थानाध्यक्ष चंद्रशेखर शर्मा ने बताया कि रोहतास निवासी स्व. रामप्रवेश साह की पुत्री चिन्ता देवी की शादी अप्रैल 2017 में शेरपुर निवासी रामलाल साह के पुत्र मनीष साह के साथ हुई थी। मनीष व चिन्ता के दो पुत्री है। बड़ी पुत्री श्रेया कुमारी पांच साल व पूजा कुमारी तीन साल की है। दोनों पुत्री के जन्म के बाद से ही मनीष कुमार दहेज में प्रतिदिन सोने की चौन, कूलर, फ्रीज व रुपए की मांग करने लगा। सामग्री के साथ रुपए नहीं मिलने पर आए दिन चिन्ता देवी के साथ मारपीट करते हुए गलत आरोप लगता था। वहीं जान से मार देने की धमकी भी देते रहता था। भाभी पुनीता देवी ने केस किया।

जमीनी विवाद में सगे भाई को खंती से मार कर किया घायल

केटी न्यूज/मखदुमपुर। थाना क्षेत्र के सब्दलपुर गांव में एक भाई ने अपने ही भाई को खंती से मारकर घायल कर दिया। घायल युवक सबलपुर गांव निवासी छोटे मांझी बताए जाता है। जानकारी के अनुसार सब्दलपुर गांव में गुरुवार को पुरानी रंजिस को लेकर दोनों भाई में कहासुनी हुई और देखते ही देखते मारपीट में तब्दील हो गई।,मारपीट के दौरान एक भाई ने दूसरे भाई पर खंती से हमला कर दिया। जिसमे छोटे मांझी घायल हो गए। घटना की सूचना पर पहुंची 112 नंबर पुलिस सहायता वाहन ने घायल युवक को इलाज के लिए रेफरल अस्पताल मखदुमपुर लाया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया है। घटना में घायल युवक की हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने पीएमसीएच रेफर कर दिया। वही पूरे मामले की जांच में स्थानीय थाने की पुलिस जुट गई हैं।

डीएम के निर्देश पर मेसर्स लक्ष्मी ईंट उद्योग के मालिक की संपत्ति को किया गया सील

केटी न्यूज/ जहानाबाद। जिला पधाधिकारी, जहानाबाद रिची पाण्डेय के निर्देश पर पीएनबी का उत्तरसेरथु शाखा के सबसे बड़े डिफाल्टर मेसर्स लक्ष्मी ईंट उद्योग प्रोप- राम निवास शर्मा की संपति को सील किया। शर्मा के द्वारा बंधक किए गए अचल संपत्ति को सील कर बैंक के द्वारा सर्फेसी एक्ट 2002 के तहत दखल कब्जा लिया गया। प्राधिकृत पदाधिकारी सह मुख्य प्रबंधक मनोज कुमार शाह द्वारा यह बताया गया की मेसर्स लक्ष्मी ईंट उद्योग के नाम पर राम निवास शर्मा के द्वारा ईंट भट्ठा के व्यवसाय हेतु वर्ष 2014 में पंजाब नैशनल बैंक , उत्तरसेरथु से 11.33 लाख का ऋण लिया गया था। जिसका भुगतान ससमय नहीं किए जाने के कारण अगस्त 2022 में एनपीए हो गया और अद्यतन बकाया 12.50 लाख और अन्य खर्च है। उक्त एक्ट के तहत प्रदत्त अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए बैंक के द्वारा दखल कब्जा लिया गया। अगर ऋणी के द्वारा अभी भी पूर्ण बकाया और समस्त खर्चे का भुगतान कर दिया जाता है तो जब्त की गई संपत्ति को मुक्त कर दिया जाएगा। अन्यथा जब्त किए गये संपत्ति को आगामी समय में नीलाम कर वकाये की वसूली की जाएगी। मौके पर जिला पदाधिकारी द्वारा प्रतिनियुक्त राजस्व अधिकारी मो आशिफ हुसैन, स्थानीय थाना के पुलिस अधिकारी, बैंक के प्राधिकृत पदाधिकारी, पी.एन.बी. उत्तरसेर्थू के शाखा प्रबंधक एवं अन्य पदाधिकारी भी मौजूद थे । दखल कब्जा के इस कार्यक्रम में एलडीएम जहानाबाद प्रशांत कुमार के द्वारा संपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ ।

भोजपुर में करंट लगने से युवक की मौत, मचा कोहराम

- पहले से नीचे गिरा पड़ा था करंट प्रवाहित तार, इलाज के दौरान गई जान
- महज दो साल पहले ही हुई थी शादी, मां और पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल

केटी न्यूज/भोजपुर।

घटना की सूचना पर जुटे ग्रामीण।

भोजपुर जिले के चांदी थाना क्षेत्र के मठियापुर गांव में गुरुवार को करंट लगने से युवक की मौत हो गई। इलाज के दौरान उसने घर में ही दम तोड़ दिया।

जानकारी के अनुसार मृतक चांदी थाना क्षेत्र के मठियापुर गांव निवासी अंजनी कुमार पांडेय का 24 वर्षीय पुत्र अनुज कुमार पांडेय था। वह पेशे से मजदूर था। इलाज के दौरान गई जान मृतक के चचेरे भाई हरेराम सिंह ने बताया कि गुरुवार की सुबह लघुशंका करने के लिए वह घर के दक्षिण तरफ जा रहा था। बिजली का तार टूटकर पहले से नीचे गिरा पड़ा था, जिसकी चपेट में वह आ गया और बुरी तरह झुलस गया। स्थानीय लोगों द्वारा इसकी सूचना उसके परिजनों को दी गई। सूचना पाकर परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और उसे घर ले आए। इसके बाद परिजनों द्वारा गांव के ही एक चिकित्सक को घर पर बुलाया गया, जहां इलाज के दौरान घर पर ही उसने दम तोड़ दिया। इसके बाद परिजनों ने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृतक तीन भाई व एक बहन में छोटा था। मृतक की शादी दो वर्ष पूर्व हुई थी। हालांकि उसे कोई संतान नहीं है। मृतक के परिवार में मां जानकी देवी, पत्नी रेशमा कुमारी और दो भाई मनोज कुमार पांडेय व सरोज कुमार पांडेय, एक बहन दुर्गावती कुमारी है। घटना के बाद मृतक के घर में हाहाकार मच गया है। इस घटना के बाद परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

केन्द्र सरकार की दमनकारी नीतियों के खिलाफ महागठबंधन ने प्रखंड मुख्यालयों पर दिया धरना

देश को बचाना है तो अगामी चुनाव में भाजपा को हटाना होगा

- धर्म के नाम पर वर्ण व्यवस्था लागू कर लोगों के बीच असमानता फैलाना चाहती है भाजपा

केटी न्यूज/जहानाबाद

धरना में बैठे कार्यकताओं को संबोधित करते नेता

महागठबंधन का राज्यव्यापी धरना- प्रदर्शन के क्रम में गुरूवार को जिले के सभी प्रखंड मुख्यालय पर कार्यकताओं ने केन्द्र सरकार की दमनकारी नीतियों के खिलाफ धरना-प्रदर्शन किया। धरना पर बैठे नेताओं ने जातिगत जनगणना, महंगाई, बेरोजगारी, संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग, संविधान और लोकतंत्र पर बढ़ते हमले, दलितों और गरीबों के खाद्य, आवास और अन्य लाभकारी योजनाओं में लगातार हो रही कटौती, मनरेगा जैसी योजना में कटौती को लेकर केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि जिसमे केंद्र की सरकार 9साल जनता की चरम तबाही बबार्दी, लूट दमन और नफरत का दौर साबित हुआ है। महंगाई की मार जनता त्रस्त है। यह पहली सरकार है जो खाद पदार्थ हो से लेकर पाठ पुस्तकों बस सामग्रियों पर भी टैक्स जीएसटी लगा रही है। रसोई गैस की कीमत 1300 रुपए प्रति सिलेंडर पार कर गई और लोग एक बार भी फिर से लोग गोइथा एवं लकड़ी के युग में लौटने को विवश है। उज्जवला योजना के नाम पर गरीबों को केवल मूर्ख बनाया गया है प्रत्येक साल दो करो रोजगार का वादा भी पूरी तरह झूठ साबित हुआ केंद्र सरकार के कार्यालयों में लाखों पद खाली पड़े हैं। लेकिन सरकार उन पर कोई बहाली नहीं कर रही है । विगत 75 वर्षों में बेरोजगारी की ऐसी भयावह स्थिति कभी सामने नहीं आई थी। धरना को संबोधित करते हुए घोसी विधायक रामबली सिंह यादव ने कहा कि सांप्रदायिक ताकतें देष के विभाजनकारी शक्तियों को समर्थन दे रहे हैं। देश की आजादी में हिंदू, मुसलमान, सिख, इसाई सभी का योगदान है। महंगाई से जनता परेषान है, नौजवान बेरोजगारी के कारण आत्महत्या कर रहे हैं। सरकार राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ कार्रवाई करने में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि आने वाले चुनाव में अगर इस देश को बचाना है तो भाजपा को पहले हटाना होगा। भाजपा इन दिनों पूरे देश भर में हिंदू राष्ट्र बनाने की सपना देख रही है। हिंदू राष्ट्र का मतलब एक बार फिर से धर्म के नाम पर वर्ण व्यवस्था लागू करवाएगी और लोगों के बीच असमानता फैलाएगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजद के प्रखंड अध्यक्ष अरविंद चन्द्रवंशी ने की। धरना को राजद जिलाध्यक्ष महेश ठाकुर, परमहंस राय, आभा रानी, डॉ शशि रंजन, धर्मपाल यादव, सुरेश यादव, अनिल वर्मा, कारू पंडित, अरमान मल्लिक, विनोद यादव, रामजीत पासवान, विजेन्द्र पाल, अशोक कुमार, जदयू के प्रखंड अध्यक्ष रंधीर पटेल, रविंद्र पटेल, इबरार अहमद, महेन्द्र सिंह, मुर्तजा अंसारी, नागेन्द्र शर्मा, शम्भू कुमार, रिंकी देवी, कांग्रेस के रामप्रवेष ठाकुर, सरवर सलीम, सफी आलम, दुर्गेश पाण्डेय, रामप्रवेश साव, इन्द्रदेव राम, हरिनारायण द्विवेदी, चन्द्रिका प्रसाद मंडल, भूषण सिंह, भाकपा माले के श्रीनिवास शर्मा, ब्रहमदेव प्रसाद, हसनैन, वशी अहमद, दिनेश दास, भाकपा के गिरजानंदन सिंह, माकपा के रामानन्द सागर सहित बडी संख्या में महागठबंधन के कार्यकताओं ने संबोधित किया।

खबरें फटाफट

चाय दुकान की आड़ में हो रही थी शराब की तस्करी

नावानगर। सोनवर्षा ओपी पुलिस ने स्थानीय बाजार से एक चाय दुकानदार के साथ दो युवक को गिरफ्तार किया है, जो शराब तस्करी का काम करते थे। साथ ही शराब की होम डिलेवरी करते थे। पकड़े गए चाय दुकान सोनवर्षा निवासी संतोष कुमार पासी एवं मुन्ना कुमार है। जिनके पास से सोनवर्षा ओपी ने गुप्त सूचना के आधार पर 80 पीस 8 पीएम अंग्रेजी शराब के साथ पकड़ा है। जानकारी के अनुसार पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि अंग्रेजी शराब लेकर एक कारोबारी सोनवर्षा गांव में पहुंचा है। सूचना पर सोनवर्षा ओपीध्यक्ष सुनील कुमार ने जवानों के साथ सोनवर्षा गांव में पहुंच कारोबारी को धर दबोचा। साथ ही उसकी तलाशी लिया। तलाशी के दौरान कारोबारी के जेब से पुलिस को चार पीस 8 पीएम अंग्रेजी शराब बरामद हुआ। जिसके बाद पुलिस ने कारोबारी को गिरफ्तार कर पुछताछ करने लगी। पुछताछ में गिरफ्तार कारोबारी मुन्ना कुमार ने पुलिस को बताया कि संतोष कुमार पासी के पास से वे अंग्रेजी शराब लिया है। गिरफ्तार कारोबारी के निशानदेही पर पुलिस ने संतोष के चाय दुकान पर छापेमारी किया। जहां से पुलिस को एक झोला मिली। झोला खोलकर पुलिस ने देखा तो उसमें में 76 पीस 8 पीएम अंग्रेजी शराब थी। शराब बरामद होते ही पुलिस ने शराब कारोबारी संतोष कुमार पासी को भी गिरफ्तार कर लिया।

ट्रेन में चढ़ने के दौरान पैर फिसलने से जख्मी हुआ यात्री

डुमरांव। दानापुर-बक्सर रेलखंड के डुमरांव रेलवे स्टेशन पर गुरुवार की दोपहर श्रमजीवी एक्सप्रेस ट्रेन पर चढ़ने के दौरान एक यात्री का पैर फिसल गया, जिससे वह टेज्न के नीचे गिर गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इस घटना के बाद स्थानीय प्लेटफार्म पर अफरा-तफरी मच गयी। आनन-फानन में जीआरपी पोस्ट प्रभारी सुनील सिंह ने सिपाहियों के सहयोग से जख्मी को अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया। इसकी सूचना जख्मी के परिजनों को दी गयी। सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे और जख्मी को लेकर रवाना हो गये। जख्मी की पहचान रोहतास के दावथ थाना स्थित सेमरी गांव निवासी विश्वनाथ शर्मा के 48 वर्षीय पुत्र राजेश शर्मा के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार राजेश शर्मा लखनऊ जाने के लिए डुमरांव स्टेशन से श्रमजीवी एक्सप्रेस पकड़ने आया था। ट्रेन में अत्याधिक भीड़ के दौरान चढ़ने का असफल प्रयास किया। इसी दौरान पैर फिसलने से वह ट्रैक पर जा गिरा।

मलेशिया में काम करने गए डुमरांव के युवक की मौत, परिवार में मचा कोहराम

- पिछले साल अक्टूबर में मलेशिया गया था कसिया का सुशील साह
- कंपनी वालों ने घटना के दो दिन बाद भी परिजनों को नहीं दी सुशील की मौत होने की जानकारी

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव अनुमंडल क्षेत्र के एक कामगर की मलेशिया में मौत हो गई है। मृतक स्थानीय थाना क्षेत्र के कसिया गांव के भिखारी साह का 21 वर्षीय पुत्र सुशील साह है। जानकारी के अनुसार वह अक्टूबर 2022 में परिवार की माली हालत सुधारने तथा बहनों की शादी के उद्देश्य से सात समंदर पार मलेशिया गया था। उसे तथा उसके परिवार को इस बात का उम्मीद थी कि विदेश की गाढ़ी कमाई से परिवार की माली हालत सुधर जाएगी तथा बेटियों की शादी भी आसानी से हो जाएगी। लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था।

12 जून को काम के दौरान ही उसे बुखार आया, तब कंपनी वाले उसे इलाज के लिए लेकर कोला पीला अस्पताल गए। इलाज के दौरान ही 13 जून को भारतीय समय अनुसार अल सुबह तीन बजे उसकी मौत हो गई। वहां रह रहे गांव के अन्य युवकों ने मृतक के घर फोन कर इस मनहूस घटना की जानकारी दी तथा अस्पताल में उसके इलाजरत रहने के दौरान की फोटो भेजी। इस खबर के मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया है। उनका रो रो कर बुरा हाल है। परिजनों को सबसे अधिक दुख इस बात का है कि मौत के बाद भी वे अपने लाडले का अंतिम दर्शन नहीं कर पा रहे हैं। कंपनी वाले शव भेजने की बात तो दूर उसके परिवार को फोन कर घटना की जानकारी भी देना मुनासिब नहीं समझे हैं। परिवारिक सूत्रों की माने तो मलेशिया से उसका शव भेजने की कोशिश भी कंपनी वाले नहीं कर रहे हैं। इधर शव नहीं आने से परिजनों की चिंता बढ़ गई है।

पिछले 2 दिनों से भिखारी साह के घर चूल्हा नहीं जला है। मृतक के पिता ने बताया कि वह बड़े अरमान लेकर महज 21 वर्ष की उम्र में मलेशिया गया था, लेकिन उसकी मौत के साथ ही अरमान भी धूमिल हो गए हैं। पंचायत के पूर्व सरपंच रमेश चंद्र राय ने बताया कि शव को मलेशिया से भारत लाने के लिए भारतीय दूतावास को मेल किया गया है। लेकिन अभी तक कहीं से कोई सार्थक जवाब नहीं मिला है।

चार बहन और दो भाइयों में दूसरे नंबर पर था मृतक

मृतक चार बहनों और दो भाइयों में दूसरे नंबर पर था। इससे बड़ी एक बहन की शादी हो चुकी है। जबकि तीन बहनों की अभी शादी करना बाकी है। जबकि उसका छोटा भाई विरंजन साह मात्र 14 साल का है। इस घटना के बाद से मृतक की मां मालती देवी, पिता भिखारी साह तथा भाई बहनों के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। पीड़ित के घर ढांढस बंधाने के लिए नाते रिश्तेदारों व पड़ोसियों का तांता टूटने का नाम नहीं ले रहा हैं। लेकिन ढांढस का कोई मरहम उनके जख्मों को कम नहीं कर पा रहा हैं। गुरुवार को पूरे दिन उसके घर से रोने-चीखने की आवाजे आती रही।

बदलाव की जगी आस: जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने अधिकारियों को दिया निर्देश

चौगाईं प्रखंड व अंचल कार्यालय भवन निर्माण से जुड़े गतिरोध जल्द दूर करें

- चौगाईं पहुंचे डीएम अंशुल अग्रवाल ने अधिकारियों के साथ की बैठक
- भवन के अभाव में चौगाई पीएचसी में संचालित हो रहा प्रखंड व अंचल कार्यालय
- भवन के लिए 48 लोगों की जमीन चयनित की गई थी उनमें से एक व्यक्ति की आनाकानी से लटका है मामला

केटी न्यूज/चौगाईं

चौगाईं में अब प्रखंड व अंचल कार्यालय भवन निर्माण की आस जगी है। वर्षों से एक व्यक्ति के अड़ियल रवैये से इन कार्यालयों का अपना भवन नहीं बन पा रहा था। भवन निर्माण के लिए जिन 48 लोगों की जमीन चयनित की गई थी उनमें मात्र एक व्यक्ति के आनाकानी से मामला अधर में लटका था। लेकिन गुरूवार को चौगाई पहुंचे डीएम अंशुल अग्रवाल ने इस गतिरोध को समाप्त कर तत्काल प्रखंड व अंचल कार्यालय निर्माण की कवायद शुरू करने का निर्देश मातहतों को दिया है। बता दें कि डीएम गुरुवार को नचाप और मुरार में कचरा प्रबंधन इकाई के उद्घाटन के बाद स्थानीय प्रखंड कार्यालय पहुंचे थे। इस दौरान डीएम ने अधिकारियों, पंचायत प्रतिनिधियों तथा जमीनदाताओं से मिलकर इस मसले पर चर्चा की तथा गतिरोध के कारणों को समझा। बैठक के दौरान ही डीएम ने एसडीओ कुमार पंकज, प्रखंड के वरीय पदाधिकारी दीपक कुमार, बीडीओ तेज बहादुर सुमन और सीओ अजीत कुमार सिंह को गतिरोध दूर कर काम शुरू कराने को कहा। बता दें कि प्रखंड व अंचल कार्यालय भवन निर्माण के लिए प्रशासन द्वारा कुल 48 किसानों की जमीन का चयन किया गया था। 47 भूमिदाताओं द्वारा इसकी स्वीकृति भी प्रदान कर दी गई है। लेकिन एक व्यक्ति आनाकानी कर रहा है जिस कारण अब तक यह मामला अधर में लटका रहा। जबकि भवन के अभाव में चौगाई पीएचसी में ही प्रखंड व अंचल कार्यालय संचालित हो रहे है। बैठक में जिला पार्षद अरविंद प्रताप शाही, प्रखंड प्रमुख ऋषिकांत सिंह, उप प्रमुख राहुल मेहता, पूर्व जिला पार्षद हरेंद्र प्रताप सिंह और सीताराम सिंह सहित कई अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

चौगाईं के निमार्णाधीन सीएचसी का डीएम ने किया निरीक्षण

चौगाई। चौगाईं में निमार्णाधीन सीएचसी भवन का निरीक्षण डीएम अंशुल अग्रवाल ने किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल भवन का निर्माण गुणवत्तापूर्ण तरीके से करने का निर्देश दिया। बता दें कि पहले चौगाई का पीएचसी मात्र छह बेड का अस्पताल था। लेकिन अब इसे कम्यूनिटि हेल्थ सेंटर के रूप में परिवर्तित कर 6 करोड़, 59 लाख, 67 हजार 750 रूपए की लागत से 30 बेड का अस्पताल बनाया जा रहा है। बिहार मेडिकल सर्विस इंफ्रास्ट्रक्चर कारपोरेशन के तत्वावधान में चल रहे इस सीएचसी भवन के निर्माण कार्य को एक साल के अंदर पूरा करने का निर्देश डीएम ने दिया। डीएम ने गुणवत्ता को लेकर भी आवश्यक निर्देश दिए। मौके पर सिविल सर्जन सुरेशचंद्र सिन्हा और प्रभारी चिकित्सा पदा डॉ. मितेन्द्र कुमार सिंह सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे।

नचाप और मुरार में अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई का उद्घाटन

चौगाईं। स्थानीय प्रखंड के नचाप और मुरार पंचायत में गुरूवार को लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान अंतर्गत अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई का उद्घाटन जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने किया। इस कार्यक्रम में डुमरांव एसडीओ कुमार पंकज, प्रखंड विकास पदाधिकारी तेज बहादुर सुमन अन्य पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। 750000 की लागत से अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई का निर्माण कराया गया है। सूखा एवं गीला कचरा को अपशिष्ट प्रसंस्करण के लिए लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत निर्माण के बाद जिलाधिकारी ने उद्घाटन किया। अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई में कुल 13 वार्ड में 26 स्वच्छता कर्मियों के द्वारा पैडल रिक्शा से कचरा का उठाव एवं उसका पृथक्करण का कार्य किया जाएगा। डीएम ने चौगाई से नचाप जाने वाली पथ का निरीक्षण कर कार्यपालक अभियंता ग्रामीण कार्य विभाग डुमरांव को विभागीय निर्देश के आलोक में पथ की मरम्मती कराने का निर्देश दिया।

राजपुर में युवती का अपहरण कर दो युवकों ने किया दुष्कर्म

केटी न्यूज/राजपुर

राजपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की युवती के साथ दो युवकों द्वारा कट्टे की नोक पर दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने का मामला सामने आया है। उनके चंगुल से किसी तरह बचकर आई पीड़िता ने जब घरवालों को इस घटना की जानकारी दी तो उसके पिता उसे लेकर थाना पहुंचे। जहां दोनों आरोपियों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार युवती घर से दुकान पर सामान खरीदने के लिए जा रही थी। तभी रास्ते में ही खीरी गांव के मनचले बचाऊ उर्फ पवन यादव एवं गोलू यादव ने कट्टे का भय दिखाकर उसे जबरन कुछ ही दूरी पर एक स्कूल में ले गए जहां दुष्कर्म जैसी घटना को अंजाम दिया। घटना के बाद आरोपियों ने इसके बारे में किसी को कहने पर जान से मारने की धमकी भी दी।

थानाध्यक्ष युसूफ अंसारी ने बताया कि इस मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। बता दें कि यह पिछले 24 घंटे में दुष्कर्म की दूसरी तथा एक सप्ताह में तीसरी घटना है। जिले में लगातार हो रही सामूहिक दुष्कर्म की घटनाओं ने महिलाओं तथा बच्चियों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिये हैं।

इलाज में लापरवाही के आरोप में डाक्टरों पर 45 लाख का जुर्माना लगाते हुए दर्ज कराया परिवाद

केटी न्यूज/डुमरांव

पत्नी के इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए एक व्यक्ति ने पटना के एक अस्पताल, उसके डाक्टर तथा डुमरांव के एक चिकित्सक के खिलाफ कुल 45 लाख का हर्जाना लगाते हुए बक्सर कोर्ट में परिवाद दायर किया है। परिवाद दायर करने वाले सिमरी के ललन प्रसाद ने बताया है कि 17 मई को उनकी पत्नी को पेट में हल्का दर्द हुआ तो वे उसे इलाज के लिए डुमरांव के डाक्टर शैलेश कुमार के यहां लाए। डा शैलेश ने इलाज के दौरान पेट में गैस होने की बात बताई। लेकिन जब अगले दिन भी दर्द ठीक नहीं हुआ तो इलाज के लिए पटना के खाजांची रोड स्थित अनुपमा हॉस्पिटल ले गये। वहां के डॉ जे आर पांडेय ने आंत के सट जाने के चलते दर्द होने की बात कह तत्काल आपरेशन करने को कहा। अस्पताल द्वारा आपरेशन के नाम पर 42 हजार रुपए जमा करा लिया और आनन-फानन में ऑपरेशन कर दिया। लेकिन आपरेशन के बाद उनकी पत्नी की तबीयत सुधरने के बजाय और बिगड़ गई तथा दूसरे दिन आईसीयू में ही मौत हो गई।

पीड़ित ने बताया है कि अनुपमा अस्पताल के डाक्टर जेआर पांडेय द्वारा लेजर विधि से आपरेशन की बात कह सामान्य सर्जरी विधि से आपरेशन कर दिया गया था। परिवादी ने यह भी आरोप लगाया है कि उसकी पत्नी की मौत सुबह में ही हो गई थी, लेकिन दोपहर तक उससे मिलने नहीं दिया गया था और बाद में मौत की बात बताई गई। ललन की मानें तो दोनों जगहों पर इलाज में भारी लापरवाही के कारण ही उसकी पत्नी की मौत हुई है। इस आशय की जानकारी पीड़ित के अधिवक्ता विष्णुदत्त द्विवेदी ने देते हुए बताया कि एडमिशन के बिंदु पर सुनने के बाद प्रारंभिक रूप से चिकित्सक की सेवा में त्रुटि पाते हुए सेवानिवृत्त न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला उपभोक्ता आयोग वेद प्रकाश सिंह एवं सदस्य वरुण कुमार की खंडपीठ ने परिवाद पत्र को एडमिट करते हुए विपक्षियों को नोटिस जारी करने का आदेश दिया है।

प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर जिले के सभी प्रखंड मुख्यालयों पर आयोजित हुआ धरना

केन्द्र की गलत नीतियों के खिलाफ महागठबंधन ने दिया एक दिवसीय धरना

केटी न्यूज/बक्सर

गुरूवार को प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर जिले के सभी प्रखंड मुख्यालयों पर महागठबंधन के घटक दलों ने एक दिवसीय धरना दिया। यह धरना केन्द्र सरकार के गलत नीतियों, महंगाई, बेरोजगारी आदि के खिलाफ दिया गया था। सभी प्रखंडों में पूरे दिन धरना के बाद महागठबंधन नेताओं ने बीडीओ के माध्यम से अपना मांग पत्र भी सौंपा। मिली जानकारी के अनुसार डुमरांव में धरने की अध्यक्षता जदयू के प्रखंड अध्यक्ष अजय चंद्र लोदी ने व संचालन राजद प्रखंड अध्यक्ष मनोज ठाकुर तथा माले के सचिव सुकर राम ने संयुक्त रूप से किया।

बतौर मुख्य अतिथि डुमरांव विधायक डा अजित कुमार ने कहा कि केन्द्र सरकार की गलत नीतियों के कारण महंगाई में बेतहासा वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि रोजगार के अभाव में बेरोजगार युवाओं की फौज खड़ी हो गई है। केन्द्र की मोदी सरकार में आम आवाम, किसान, मजदूर, नौजवान सभी परेशान हो गए है। मौके पर नथुनी प्रसाद खरवार, भगवान सिंह यादव, संतोष मिश्र, अजय कुमार ओझा, लालबाबू सिंह, उमेश प्रसाद, अशोक कुमार, मेहंदी हसन, पिंटू कुमार यादव, नंदजी गांधी, संत कुमार गोंड समेत राजद, जदयू, माले व कांग्रेस के सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद थे। वही दूसरी तरफ नावानगर प्रतिनिधि के अनुसार अपने पूर्व नियोजित कार्यक्रम के अनुसार महागठबंधन के कार्यकताओं ने नावानगर प्रखंड मुख्यालय पर धरना दिया। धरना के दौरान केन्द्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की गई।

वक्ताओं ने कहा कि केन्द्र में मोदी के 9 साल के शासनकाल में देशभर में अराजकता का माहौल हो गया है। चारों तरफ लूट खसोट मची है। कुछ चुनिंदा व्यवसायिक घरानों को छोड़ सबका रोजगार चौपट हो गया है। मौके पर सत्यानंद कुशवाहा, कमलेश सिंह, डा बिनोद कुमार सिंह, हरेन्द्र सिंह, सरदार सिंह कुशवाहा, रामप्रवेश सिंह, सत्येन्द्र यादव समेत महागठबंधन के घटक दलों के कई अन्य नेता मौजूद थे।

केसठ प्रतिनिधि के अनुसार महंगाई पर रोक लगाने, जाति आधारित जनगणना कराने, संवैधानिक संस्थाओं का दुरूपयोग बंद करने, उन्माद की राजनीति पर रोक लगाने जैसे मांगों के खिलाफ महागठबंधन नेताओं ने धरना दिया। जिसकी अध्यक्षता माले के प्रखंड सचिव ललन प्रसाद व संचालन जदयू प्रखंड अध्यक्ष कमलेश प्रसाद गुप्ता ने किया। धरना में महागठबंधन के दो दर्जन से अधिक कार्यकर्ता शामिल हुए। इसके अलावे केसठ, राजपुर, बक्सर, ब्रह्मपुर, सिमरी आदि प्रखंडों में भी महागठबंधन द्वारा धरना दिया गया है।

एक नजर

डुमरी की स्वीटी ने क्वालिफाई की नीट की कठिन परीक्षा, डॉक्टर बन करेगी समाजसेवा

डुमरांव। कहते हैं परिंदों को तालीम नहीं दी जाती है उड़ानों की, वे खुद ही छू लेती हैं बुलंदिया आसमानों की....। नीट की कठिन परीक्षा को क्वालिफाई कर इस उक्ति को चरितार्थ कर दिखाया है डुमरी की स्वीटी ने। रिटायर्ड फौजी शशिकांत चौबे व गृहिणी रचना देवी की पुत्री स्वीटी अब एमबीबीएस की पढ़ाई कर उच्च कोटि की डॉक्टर बन समाज की सेवा करना चाहती है। उसकी प्रारंभिक पढ़ाई तो गांव से ही हुई थी। इसके बाद पिता के साथ प्रयागराज चली गई। वहीं के आर्मी पब्लिक स्कूल से मैट्रिक की परीक्षा 95.4 प्रतिशत अंक तथा इंटरमीडिएट की परीक्षा 96.2 प्रतिशत अंक से उतीर्ण करने के बाद नीट परीक्षा की तैयारी की। स्वीटी को नीट परीक्षा में 621 अंक मिले हैं। वह एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी कर एक बेहतर डॉक्टर बन समाज की सेवा करना चाहती है। स्वीटी की इस सफलता से पूरा परिवार आह्लादित है। गांव में भी खुशी का माहौल है। स्वीटी ने अपनी सफलता का श्रेय माता पिता तथा शिक्षकों को दिया है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों ने उचित मार्गदर्शन दिया तो पिता से कठिन परिश्रम व लक्ष्य के प्रति अडिग रहने की प्रेरणा मिली थी।

गंगा नदी में स्नान करने गया किशोर डूबा

बक्सर। भीषण गर्मी से निजात पाने के लिए गंगा स्नान को गया एक किशोर गहरे पानी में चले जाने के कारण डूब गया। उसके साथ स्नान कर रहे उसके अन्य दोस्तों ने जब चिल्लाना शुरू किया तो उसके परिजन तथा आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। लेकिन जब तक उसे निकाला जाता तब तक उसकी जान जा चुकी थी। बाद में उसे अस्पताल भी ले जाया गया लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के संदर्भ में मिली जानकारी के मुताबिक सारीमपुर निवासी भोला मल्लाह का 12 वर्षीय पुत्र अपने दोस्तों के साथ गंगा स्नान करने के लिए गया हुआ था। भीषण गर्मी से परेशान बच्चे पानी में खेलने लगे। इसी दौरान भोला मल्लाह का 12 वर्षीय बेटा गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। उसे डूबता देख बच्चे चीखने-चिल्लाने तथा भागे-भागे भोला मल्लाह के घर पहुंचे। परिजनों व अन्य लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचे और बच्चे को पानी से बाहर निकाला। वह अचेत था ऐसे में उसे सदर अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद परिजनों के बीच कोहराम मच गया। मृतक के घरवालों के करुण-क्रंदन से हर कोई गमगीन हो गया। बता दें कि 24 घंटे के अंदर गंगा में डूबने के कारण यह तीसरी मौत है। इसके पूर्व सिमरी प्रखंड के केशवपुर में भी मंगलवार को गंगा में स्नान करने के दौरान डूबने से दो युवकों की मौत हो गई थी।

जिला कृषि पदाधिकारी ने विभिन्न कार्यालयों का किया औचक निरीक्षण

केसठ। डीएम अंशुल अग्रवाल के निर्देश पर गुरुवार को जिला कृषि पदाधिकारी मनोज कुमार ने केसठ प्रखंड कार्यालय, मनरेगा कार्यालय और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी कार्यालयों के फाइलों तथा कर्मियों के उपस्थिति पंजी को खंगाला। निरीक्षण के दौरान मनरेगा कार्यालय खुला था, लेकिन कर्मी उपस्थित नहीं थे। जिसे देख जिला कृषि पदाधिकारी भड़क गए। जैसे ही इसकी सूचना मनरेगा कर्मियों को लगी वह अपने अपने कार्यालय में उपस्थित हो गए। इस दौरान उन्होंने मलेरिया कर्मियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी हाल में समय पर कार्यालय में उपस्थित होना है। तो इसी कड़ी में प्रखंड मुख्यालय स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का जिला कृषि पदाधिकारी ने निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान अस्पताल की व्यवस्था सामान्य थी। खाना की साफ-सफाई को लेकर उन्होंने निर्देश दिया। वहीं उन्होंने कहा कि जिला पदाधिकारी के निर्देश है कि प्रखंड स्तर पर किसी भी ग्रामीण को किसी तरह की कोई परेशानी ना हो इसको लेकर सभी कार्यालय समय पर खुले एवं बंद करें। इस दौरान उन्होंने मनरेगा द्वारा लगाई जा रही पौधों का निरीक्षण भी किया। उन्होंने पौधा को सही ढंग से रख रखाव को ले निर्देश भी दिया।

वीर कुंवर सिंह कृषि कालेज में आयोजित हुआ बिहार स्टार्टअप नीति पर आउटरीच कार्यक्रम

डुमरांव। वीर कुवर सिंह कृषि कालेज परिसर स्थित बहुद्देश्यी भवन में बिहार स्टार्टअप नीति 2022 पर आउटरीच कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें डॉ महेंद्र पाल उप विकास आयुक्त बक्सर, पेत्रुस सोरेंग महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र बक्सर, प्रो. डॉ. मो. रियाज अहमद प्रधानाचार्य वीर कुंवर सिंह कृषि कॉलेज डुमरांव, प्रो डॉ जेपी सिंह, डॉ. चंद्रशेखर प्रभाकर, प्रेयसी सिंह, उद्योग विभाग पटना, लवली सिंह उद्योग विभाग पटना, विद्या भूषण पाठक, उद्योग विस्तार पदाधिकारी, जिला उद्योग केंद्र बक्सर, मृणाल सिंह, अर्थ अन्वेषक जिला उद्योग केंद्र बक्सर उपस्थित रहें। इसमें छात्र-छात्राओं को बिहार स्टार्टअप नीति 2022 पर आउटरीच कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया गया। बताया गया कि युवा सपनों को पंख लगाने तथा उन्हें उड़ान भरने के लिए खुला आसमान देने के उद्देश्य से बिहार स्टार्टअप पॉलिसी 2022 बनाई गई है। इस पॉलिसी के टॉप 10 वर्षों के लिए 10 लाख रुपए तक की ब्याज रहित सीड फंडिंग की व्यवस्था की गई है। महिलाओं द्वारा प्रारंभ स्टार्टअप को 5 प्रतिशत अधिक तथा अनुसूचित जाति जनजाति तथा दिव्यांगों के प्रारंभ स्टार्टअप को 15 प्रतिशत अधिक सीड फंड के रूप में देने का प्रावधान इस नीति के तहत किया गया है। एक्सीलेरेशन प्रोग्राम में भागीदारी के लिए 3 लाख तक के अनुदान का प्रावधान स्टार्टअप नीति में है।

22 जून से शुरू होगा किसानों के लिए जीवनदायनी नक्षत्र आर्द्रा, भगवान शिव व विष्णु की होती है विशेष कृपा: द्विवेदी

- 27 नक्षत्रों में सबसे अधिक लोकप्रिय नक्षत्र है आर्द्रा
- भगवान विष्णु-शिव व सूर्य को खीर-पूड़ी व आम के भोग लगाने घर में होता है लक्ष्मी का वास

केटी न्यूज/ बक्सर

हिंदू धर्म में सूर्य के आर्द्रा नक्षत्र में आने को बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। ज्योतिषाचार्य पंडित नरोत्तम द्विवेदी के अनुसार इस दिन भगवान शंकर, भगवान विष्णु और सूर्य देव की पूजा की जाती है और उन्हें खीर-पूड़ी, आम का भोग लगाया जाता है। साथ ही इस दिन विष्णु सहस्त्रनाम और महामृत्युंजय मंत्र का जप करना बेहद फलदायी माना जाता है। पंडित

ज्योतिषाचार्य पंडित नरोत्तम द्विवेदी

द्विवेदी के अनुसार नक्षत्रराज चंद्रमा के मार्ग में पड़ने वाले विशेष तारों के समूह को नक्षत्र कहा जाता है। आर्द्रा नक्षत्र का महत्व आकाशमंडल में आर्द्रा का छठा नक्षत्र है। यह 22 जून 2023, गुरुवार की शाम 5 बजकर 48 मिनट पर आर्द्रा नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। पांच जुलाई को अंत होगा। इस नक्षत्र में पूर्वजों व ज्योतिष की मानें तो किसानों के लिए काफी लाभदायक होता है। अचार्य ज्योतिषाचार्य पंडित नरोत्तम द्विवेदी के अनुसार 27 नक्षत्रों में आर्द्रा को जीवनदायनी नक्षत्र माना जाता है। आर्द्रा का शाब्दिक अर्थ ही गीला होता है। इसी नक्षत्र से कृषी कार्य का श्री गणेश होता है। भारत कृषी प्रधान देश है, अतः 27 नक्षत्रों में अन-जल से युक्त आर्द्रा नक्षत्र का बहुत ही महत्व है। ज्योतिष विज्ञान के अनुसार सूर्य जब आर्द्रा में प्रवेश करता है तो धरती रजस्वला होती है। जो उत्तम बारिश का प्रतीक है। इसी पवित्र समय में कामाख्या तीर्थ में अंबुबाची पर्व का आयोजन किया जाता है। यह नक्षत्र उत्तर दिशा का स्वामी है आर्द्रा के प्रथम व चतुर्थ चरण के स्वामी बृहस्पति हैं। वहीं द्वितीय व तृतीय चरण का प्रतिनिधित्व शनिदेव करते हैं। इस बार आर्द्रा के प्रवेश से ही उत्तम बारिश की सूचना है। आर्द्रा नक्षत्र के अधिपति भगवान भोले शंकर हैं जो लोक कल्याणकारी देवता हैं। कृषि कार्य हेतु इसे देव नक्षत्र माना गया है। यह पूर्णतः मिथुन राशि में संचरण करता है।

नक्षत्रों में सर्वाधिक लोकप्रिय नक्षत्र है आर्द्रा: द्विवेदी : आचार्य ज्योतिषाचार्य पंडित नरोत्तम द्विवेदी कहते है कि आर्द्रा का समान्य अर्थ नमी होता है। जो धरती के लिए जरूरी है। यह अकाश में मणि के समान दिखाई देता है। पंड़ित द्विवेदी कहते है कि वामन पुराण के अनुसार, नक्षत्र पुरूष भगवान वामन के केशों में आर्द्रा नक्ष का निवास होता है। महाभारत के शांतिपर्व के अनुसार जगत को तपाने वाले सूर्य और अग्नि व चन्द्रमा की जो किरणें प्रकाशित होती है। सब जगतनियंता के ह्रकेशह्न है। यही कारण है कि आर्द्रा नक्ष को जीवनदायी कहा जाता है। इसी नक्षत्र के पूर्ण योग में सम्पूर्ण उत्तर भारत के राज्यों में खीर व आम खाने की परम्परा है। कृषी कार्य की शुरूआत इसी नक्षत्र से होने से सर्वाधिक लोकप्रिय नक्षत्र है।

सूर्य को अर्घ्य देने से बढ़ती है उम्र भगवान विष्णु व शिव की बनी रहती है कृपा: द्विवेदी :

आचार्य ज्योतिषाचार्य पंडित नरोत्तम द्विवेदी कहते है कि आर्द्रा नक्षत्र में उगते हुए सूर्य को अर्घ्य उत्तम माना जाता है। मान्यता के अनुसार इस ऐसा करने से बीमारियां दूर होती हैं और उम्र भी बढ़ती है। ज्योतिष और भारतीय संस्कृति में सूर्य का आर्द्रा नक्षत्र में प्रवेश बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। भगवान सूर्य ऊर्जा के प्रतीक हैं और आरोग्य के कारक हैं। साथ ही भगवान सूर्य को संसार की आत्मा कहा जाता है और यह प्रकृति का केन्द्र हैं।

भगवान भरोसे किसान... सरकार से टूटा विश्वास तीस वर्षो से डुमरांव राजवाहा में नही पहुंचा पानी

- वर्षों से बंद नलकूप गंभीर हुई सिंचाई की समस्या, सैकड़ों एकड़ भूमि पर नही हो रही खेती
- पलायन को मजबूर हुए किसान, निजी नलकूप से खेती कर रहे किसान

केटी न्यूज/डुमरांव

चार दशकों से नहर के धोखा देने के बाद सिंचाई का अंतिम विकल्प नलकूप भी खेतों की सिंचाई के सहारा नहीं बन रहे है। बिजली की स्थिति में सुधार के बाद नलकूपो के सहारे खेतों की सिंचाई कर किसान बेहतर उत्पादन कर सकते है। वर्षो से बंद पड़ी नलकूपों की ओर न तो प्रशासन का ध्यान जा रहा है और न ही नेताजी ही आवाज बुलंद कर रहे है।

जिससे लगता है कि भविष्य में भी किसानों की इस समस्या के कारगर समाधान के आसार नहीं दिख रहे है। धान के कटोरा कहे जाने वाले इस क्षेत्र में नहर के साथ ही नलकूपो की व्यवस्था इस उदेश्य से की गई कि किसानों को बेहतर सिंचाई का लाभ मिल सकेगा। पिछले दो दशक में नलकूपों के हालात बद से बदतर होते चले गये। कही मोटर की खराबी तो कही ट्रांसफार्मर जलने या फिर तार नहीं होने के कारण चालू नलकूप मृत होते चले गये। उधर देखरेख के अभाव में नहरों ने भी धोखा दे दिया। हालात ऐसे कि धान की कटोरा को सबसे बड़ी समस्या सिंचाई व्यवस्था की हो गई है।

खेती छोड़ पलायन कर रहे किसान

चार दशकों में कृषि के प्रति सरकारी उदासीनता तथा सिंचाई के साधनों के पर्याप्त विकास नहीं होने से किसानों को जूझना पड़ रहा है। यही कारण है कि उर्वर खेत होने के बावजूद दोनों विधानसभा के किसानों की स्थिति दयनीय है तथा किसान खेती छोड़ पलायन को मजबूर हो रहे है। सिंचाई का साधन नहीं होने से किसानों को खेती के लिये मानसून तथा निजी साधनों पर निर्भर रहना पड़ता है।

विधानसभा चुनाव तक सिमटा किसानों का मुद्दा

विधानसभा चुनाव का मतदान होते ही किसानों का मुद्दा गौण हो गया है। अब न तो राजनेताओं को मलई बराज नहीं बन पाने का मलाल है और न ही किसानों के खेत तक पानी पहुंचने की चिंता।

किसानों की चिंता के साथ ही सबसे बड़ा मुद्दा व वायदा मलई बराज तथा सभी के खेतो तक पानी पहुंचाना था। सभी पार्टी व प्रत्याशियों के चुनावी एजेंडे में मलई बराज समेत खेतो में पानी उपलब्ध कराने की घोषाणा थी। लेकिन मतदान संपन्न होते ही अब किसी को किसानों की सुधि नहीं रही।

तुम मुझे वोट दो मैं मलई बराज का पानी दूगां

पिछले पांच दशकों से नेताओं ने किसानों को मलई बराज के नाम पर खुल छला है। कई विधायक बन गये तो कई सांसद तो कई के खिलाफ किसानों को आक्रोश फुटा तो बिधान सभा से बाहर हो गये। परन्तु इस क्षेत्र के किसानों की सबसे बड़ी समस्या अधूरी पड़ी मलई बराज आजतक बताया जाता है कि पिछले 50 वर्षो से इस क्षेत्र के किसानों द्वारा मलई बराज के निर्माण की मांग की जाती रही है। इसके लिये सड़क से लेकर सदन तक आवाज उठाई जा चुकी है। बावजूद अब तक किसानों को मलई बराज का तोहफा नहीं मिल सका परन्तुओं नेताओं ने वोट खुब बटोरे व कमीशन भी खूब खाई है।

पांच प्रखंडों में होती है भारी मात्रा में धान की खेती

डुमरांव अनुमंडल बिहार में धान का कटोरा के रूप में जाना जाता था। परन्तु समय के साथ बुरूी नजर लगी। धान के कटोरा इलाके में किसानों को एक-एक धान के दाने के लिए तरसना पड़ रहा है। पिछले कुछ वर्षो में पानी के अभाव में 60 फिसदी खेत खाली रह जा रहा है। पांच प्रखंडों में धान का उत्पादन प्रचुर रूप से होता है। डुमरांव, केसठ, चौगाईं, नावानगर, व ब्रह्मपुर धान का उत्पादन होता है।

सैकड़ों एकड़ भूमी हो गई बंजर

संजय कुमार कहते है कि अनुमंडल भगौलिक दृष्टी से दो हिस्सों में बटा हुआ है। एक दक्षिणी क्षेत्र जहां नहरों किसानों के लिए नहरों की सुबिधा है। परन्तु वह पिछले चालीस सालों से सुखी पड़ी है। नतिजन सैकड़ों एकड़ भूमी बंजर हो गई है। चाह कर भी किसान खेती नही कर पाते है।

निजी बोरिंग भी दे रहा है जबाब

शंकर कुमार कहते है कि रोहणी नक्षत्र में धान के विचड़े के बीज डाल दिया जाता है। परन्तु आलम यह है कि न तो सरकार से सिचाई की उम्मीद दिख रही है और ना ही फिलहाल भगवान से कोई दुर-दुर तक उम्मीद नजर आ रही है। भीषण गर्मी के कारण जलस्तर काफी नीचे भाग रहा है। जिससे कारण निजी वोरिंग भी जबाब दे रहे है।

नेताओं कि आश्वासन में ही खेत में पहुंच रहा पानी

विरेन्द्र राय कहते है कि पिछले चार दशक से राजनेताआं द्वारा आश्वासनों से ही खेतों की प्यास बुझाने का काम किया जाता रहा है। अंग्रेजो के समय की बनी नहरे ही आज भी इस क्षेत्र में सिंचाई का मुख्य साधन है। लेकिन धान के बिचड़े डालने से फसल के तैयार होने तक कभी भी समय पर नहरों में पानी नहीं आता है।

लाखों रूपए खर्च के बाद भी खेतों तक नही पहुंचता पानी

राजेश प्रसाद कहते है कि नहरों में पानी लाने के लिए लाखों रूपयो की राशि खर्च की गई। परन्तु पानी तो नही आया पर नेताओं व अधिकारियों के जेब गर्म जरूर हो गई। जय जवान -जय किसान के देश में दोनों है बदहाल।

एक नजर

जाम की समस्या से जूझ रहे शहरवासी, नहीं है पार्किंग कीसुविधा

केटी न्यूज/डुमरांव। अनुमंडल का एकलौता बड़ा बजार होने के कारण प्रतिदिन लगभग दस हजार लोग गांव से मार्केटिंग करने आते परन्तु उनको रोज फजीहत झेलनी पड़ती है। जिसका मुख्य कारण लगातार बढ़ रही वाहनों की संख्या के कारण सड़क पर वाहनों का दबाव बढ़ता जा रहा है। इसके बावजूद ट्रैफिक की समुचित व्यवस्था नहीं है। शहर में पार्किंग की जगह नहीं रहने के कारण वाहन चालक यत्र-तत्र वाहन खड़ा करते हैं। अक्सर जाम लगता है. शाम में तो सड़क पर जाम का नजारा आम है। जाम से अस्पताल मोड़ हो, मेन रोड, गोला रोड ज्यादा प्रभावित है। जाम का विकराल रूप पर्व त्योहार के समय में दिखने को मिलता है। उस समय वाहन तो दूर पैदल भी चलना मुश्किल हो जाता है। वाहनों के पार्किंग के लिए आखिर शहर में कोई जगह निर्धारित क्यों नहीं हो पा रही है। जाहिर है नगर परिषद के सामने पार्किंग के लिए जगह की उपलब्धता समस्या है। शहर में न तो निर्धारित स्थल पर रिक्शा पड़ाव की सुविधा उपलब्ध है और न ही ऐसे खाली जगह ही है जहां लोग अपने वाहनों को लगा कर बाजार में खरीदारी कर सकें। शहर की सड़कें इतनी भी सकरी नहीं है कि जाम की समस्या बने। बल्कि जाम का कारण सड़कों पर लगने वाले अवैध रूप से टोकरी व ठेला दुकानों से बढ़ रही है।

स्वच्छ पेयजल की समस्या से जूझ रहा डुमरांव, बढ़ा आरो युक्त पानी का कारोबार

केटी न्यूज/डुमरांव। अनुमंडल क्षेत्र में पेयजल की समस्या एक समान गंभीर बनती जा रही है। मलियाबाग चौक से लेकर गंगा नदी तक के लोग पेयजल के गंभीर स्थिति का सामना कर रहे है। दूषित पेयजल से त्वचा संबंधी बीमारियों के अलावे कई अन्य बीमारियों के प्रभाव में तेजी से वृद्धि हो रही है। सरकारी तथा प्राइवेट स्तर पर की गई जांच में इस बात की पुष्टि हो चुकी है कि जो पेयजल का इस्तेमाल प्यास को बुझाने के लिए किया जा रहा है वह मानव जीवन के सेहत के लिए श्रेयस्कर नहीं है। पीने वाले पानी में आर्सेनिक जैसे खतरनाक मीठा जहर के अलावे कई अन्य रसायन मौजूद है। जो मानव जीवन के लिए खतरनाक माना गया है। इससे निजात दिलाने के लिए सिमरी प्रखंड के केशोपुर गांव में वाटर ट्रिटमेंट प्लांट लगाया जा रहा है। इसका रफ्तार इतना धीमा है है कि अगले एक दशक में भी यह बनकर तैयार हो जायेगा कहना मुश्किल है। सामर्थ वाले लोग इस समस्या से निजात के लिए अपने घरों में आरओ लगाकर वैकल्पिक व्यवस्था कर रहे है। शहरी क्षेत्र के अलावे अब तो ग्रामीण इलाके में भी आरओ का क्रेज तेजी से बढ़ा है। इसी कारण क्षेत्र में बोतल बंद मिनरल वाटर की मांग भी काफी बढ़ी है। कल तक बड़े और सामर्थवान लोगों के पसंदीदा बोतल बंद पानी की मांग मध्यमवर्ग के लोगों के बीच तेजी से बढ़ा है।

एपीएचसी नैनिजोर का सिविल सर्जन ने किया औचक निरीक्षण, गायब मिले प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर। गुरुवार को सिविल सर्जन सिविल सर्जन डॉ सुरेश चन्द्र सिन्हा ने अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बड़की नैनीजोर का औचक निरीक्षण किए। इस दौरान स्वास्थ्य केन्द्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ हिमांशु नन्दन अनुपस्थित पाए गए। अस्पताल से उपस्थिति पंजी रिजस्टर में चिकित्सकों की कई दिनों से गायब होने प्रामण मिलें। औचक निरीक्षण में सिविल सर्जन ने नैनीजोर में चल रहे। टीकाकरण से लेकर स्वास्थ्य का जायजा लिया। लाभार्थियों के घरों में पहुंच पुछताछ कर वस्तुस्थिति से अवगत हो लाभार्थियों को टीकाकरण और स्वास्थ्य केन्द्र के प्रति जागरूक किया गया। निरीक्षण को लेकर कर्मियों में हडकंप मचा रहा। वहीं डॉ गोपीकांत ओझा आयुष चिकित्सा पदाधिकारी तथा एएनएम संगीता कुमारी, बैजन्ती कुमारी उपस्थित थी। सिविल सर्जन ने भंडार पंजी को खंगाला और संधारण कार्य में कई कमी पाई। जिसे सही ढंग से भंडार के संधारण हेतु आवश्यक निर्देश दिया। स्वास्थ्य केन्द्र पर कार्य में लापरवाही तथा बिना सूचना के अनुपस्थित रहने वाले कर्मियों पर कारवाई का भी निर्देश दिए। वहीं चेतावनी दी कि लापरवाही बरतने वाले के ऊपर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बक्सर लोकसभा सीट पर कांग्रेस नेता ने ठोका दावा

केटी न्यूज/ बक्सर। बक्सर बिहार प्रदेश कांग्रेस के वरीय नेता टीएन चौबे ने कहा कि आगामी लोकसभा को देखते हुए सभी पार्टियों ने चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। बक्सर लोकसभा सीट परंपरागत कांग्रेस की है। इसके लिए प्रदेश अध्यक्ष से लेकर सोनियां गांधी, राहुल गांधी, मलिकार्जून खड़गे से मिलकर ताजा स्थिती से अवगत कराते हुए बक्सर की सीट कांग्रेस को देने की मांग की जाएगी। गठबंधन के दबाव के कारण यह सीट दूसरे को जाती रही। फिर भी सफलता नहीं मिली। वैसे भी देखा जाए तो बक्सर जिले में दो-विधायक कांग्रेस के है। चौबे ने कहा कि महागठबंधन के शीर्ष नेताओं से भी मिलकर इस मुद्दे पर चर्चा होगी की बक्सर परंपरागत सीट कांग्रेस की है। हर हाल में कांग्रेस ही लडेगी।

जन शिक्षण संस्थान के नेतृत्व में चुरामनपुर में किया पौधरोपण कार्यक्रम

केटी न्यूज/बक्सर। गुरूवार को जन शिक्षण संस्थान बक्सर के द्वारा जी-20 जन भागीदारी कार्यक्रम के पन्द्रहवें दिन जन शिक्षण संस्थान ने चुरामनपुर में पौधारोपण अभियान का आयोजन किया। पौधारोपण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों में बहुत ही उल्लास कायम रहा। कार्यक्रम पदाधिकारी संजय कुमार सिंह ने बताया कि पौधारोपण अभियान का लाभ कई गुना हैं। पेड़ कार्बन डाइऑक्साइड का प्रकृति से ग्रहण कर और ऑक्सीजन जारी करके पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वहीं लेखापाल प्रशांत पाठक ने प्रशिक्षणार्थियों को पौधे बांटे। साथ ही कहा कि पौधा वन्यजीवों के लिए आवास भी प्रदान करते हैं। मिट्टी के कटाव को रोकते हैं। हवा और पानी की गुणवत्ता में सुधार करते हैं।

जिले के 2.80 लाख बच्चों के बीच होगा ओआरएस व जिंक टैबलेट का वितरण

समय पर ओआरएस देने से डायरिया से होने वाली मौत को 93 प्रतिशत रोका जा सकता है : डॉ. राज किशोर सिंह

केटी न्यूज/बक्सर

बढ़ती गर्मी के कारण बच्चे कई बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। जिसमें डायरिया ऐसी बीमारी है जिसकी चपेट में सबसे अधिक बच्चे आते है। जिसे देखते हुए स्वास्थ्य विभाग के निर्देश पर 16 जून से जिले में सघन दस्त नियंत्रण पखवाड़ा चलाया जाएगा। 30 जून तक घर-घर जाकर पांच साल तक के बच्चों को ओआरएस के पैकेट दिए जाएंगे। साथ ही, जिन बच्चों में डायरिया के लक्षण देखने को मिलेंगे, उनको जिंक के टैबलेट भी दिए जाएंगे। इसके लिए जिले में 2.80 लाख लाभुक बच्चों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिसके तहत सभी प्रखंडों में उचित

मात्रा में ओआरएस और जिंक के टैबलेट्स उपलब्ध करा दिए गए हैं। आशा कार्यकर्ता घर घर जाकर पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों को एक पैकेट प्रति बच्चा ओआरएस पैकेट वितरित करेंगी। दस्त रोग से ग्रसित बच्चों को ओआरएस के दो पैकेट व जिंक की 14 गोलियां दी जाएंगी। वहीं, गंभीर बच्चों को उचित इलाज के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र रेफर किया जाएगा।

डायरिया प्रबंधन के लिए ओआरएस जरूरी

जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. राज किशोर सिंह ने बताया, डायरिया के कारण बच्चों के शरीर में पानी व जरूरी तत्वों को कमी हो जाती है। जिसका उचित प्रबंधन ना करने पर बच्चों को जान का भी खतरा भी हो सकता है। ऐसे में डायरिया के समय बच्चों को सही समय पर ओआरएस देने से इस बीमारी के कारण होने वाली मौतों की संभावना को 93 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि शिशुओं को सही समय पर टीका नहीं दिलाने के कारण भी वो भविष्य में डायरिया की चपेट में आ जाते हैं। इसलिए बच्चों को इस बीमारी से बचाने के लिए सही समय पर रोटा वायरस और एमआर का टीका सही समय पर दिलाना चाहिए। उन्होंने बताया कि कुपोषित व अतिकुपोषित बच्चों में दस्त रोग होने की संभावना अधिक हो सकती है। बार बार दस्त रोग होने के कारण बच्चे कुपोषित हो सकते हैं। ऐसे में दस्त रोग की रोकथाम के लिए अभियान के दौरान कुपोषित बच्चों पर अधिक ध्यान दिया जाएगा।

मां का दूध सबसे कारगर बचाव

बरसात के दिनों में 0 से 5 वर्ष के बच्चों को डायरिया होने का खतरा ज्यादा रहता है इस वजह से जुलाई की मध्य में यह अभियान चला कर बच्चों को डायरिया से सुरक्षित रखने का प्रयास किया जाता हैं। यूनिसेफ की एसएमसी शगुफ्ता जमील ने बताया कि बच्चों को डायरिया से बचाव में मां का दूध सबसे कारगर बचाव होता है।

शक्ति मित्र महिला आरक्षियों के साथ डीएम-एसपी ने की बैठक, दिए निर्देश

- अपराध गोष्ठी में दिए विभिन्न निर्देश व बीटवार हुई समीक्षा
- पुलिस कप्तान ने सभी थानाध्यक्षों को चेताया, कहाढग और सतर्क रहें हरदम

केटी न्यूज/गाजीपुर

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस लाइन में मिशन शक्ति के अगले चरण को दृष्टिगत रखते हुए विभिन्न थानों से आई शक्ति मित्र महिला आरक्षियों के साथ मीटिंग की गई।

इस दौरान महिला आरक्षियों से उन्हें अपने बीट में जाने तथा मिशन शक्ति अभियान के प्रति जागरूक करते हुए महिलाओं की समस्याओं को सुनने व उनकी समस्याओं का निस्तारण करने के लिए निर्देशित किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस लाइन में सैनिक सम्मेलन व अपराध गोष्ठी की गई। सैनिक सम्मेलन के दौरान सर्वप्रथम विभिन्न थानों से आए हुए कर्मचारियों की समस्याओं को सुना गया तथा उसके त्वरित निस्तारण के लिए संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। इसके बाद सभी थानों के थानाध्यक्षों के साथ अपराध गोष्ठी हुई।

गैर जनपद से लगी सीमाओं पर किसी भी अवैध गतिविधि को रोकने के लिए विशेष सावधानी बरतने के

पुलिस कमीयों को संबोधित करते गाजीपुर डीएम-एसपी

लिए निर्देशित किया गया। मादक पदार्थों तथा अवैध हथियारों की तस्करी करने वालों पर कठोर कार्रवाई के लिए निदेशित किया गया। क्षेत्र में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी फैलाने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। सभी को सख्त निर्देश दिया गया कि कानून व्यवस्था के साथ खिलवाड़ करने वालों को कदापि न बख्शा जाए।

सभी थाना प्रभारियों को लंबित विवेचनाओं की कार्यवाही पूर्ण करने के लिए आदेशित किया गया तथा यह भी निर्देश दिया गया कि किसी भी थाना क्षेत्र में कोई भी अपराध घटित ना होने पाए। अपराधियों के विरुद्ध सख्त एवं कड़ी कार्रवाई की जाए। थाने के हिस्ट्रीशीटरों पर थाने के सिपाही से लेकर थाना प्रभारी तक नजर रखें। प्रत्येक थाना प्रभारी थाने पर आए हुए फरियादियों के साथ अच्छा व्यवहार करें एवं प्राप्त प्रार्थना पत्र का निस्तारण निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण कराना सुनिश्चित करें। सभी आरक्षियों, महिला आरक्षियों को उनके बीट में भेजें व उनसे जानकारी प्राप्त करें। घटित घटनाओं से सम्बन्धित अपराधियों की गिरफ्तारी में तत्परता दिखाते हुए अतिशीघ्र गिरफ्तार करें। अंत में आईजीआरएस के निस्तारण में पूरे उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले जनपद गाजीपुर के थाना करंडा, बड़ेसर व थाना भुड़कुंडा के थानाध्यक्षों को उनके कार्य की सराहना करते हुए उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। अपराध गोष्ठी के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर, ग्रामीण समस्त क्षेत्राधिकारी तथा समस्त थाना प्रभारी मौजूद रहे।

बेटियों पर बुरी नजर डालने वालों के लिए गाजीपुर में जगह नहीं एसपी रू गाजीपुर एसपी ओमवीर सिंह ने कहा कि जिले कि हर बेटी, हर महिला का सम्मान और सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ उनके स्वावलंबन के लिए पुलिस प्रतिबद्ध है। जो लोग नारी गरिमा और स्वाभिमान को दुष्प्रभावित करने की कोशिश करेंगे, बेटियों पर बुरी नजर डालेंगे, उनके लिए गाजीपुर की धरती पर कोई जगह नहीं है। यह सभ्य समाज के लिए कलंक है। पुलिस ऐसे लोगों से पूरी कठोरता से निपटेगी।

स्त्री के प्रति सम्मान हमारी संस्कृति व सभ्यता है: डीएम रू गाजीपुर डीएम आर्यका अखौरी ने कहा कि नारी ह्यशक्तिह्ण की प्रतीक है। हमारी सनातन परंपरा में नारी पूजनीय है। वंदनीय है। आवश्यकता है कि बदलते दौर में नई पीढ़ी को अपनी सनातन संस्कृति की परंपरा का वाहक बनाएं। उनमें स्त्री के प्रति सम्मान, सुरक्षा और स्वावलंबन की भावना का प्रसार करें। ह्यमिशन शक्तिह्ण इसी दिशा में एक प्रयास है। डीएम ने कहा कि महिलाओं एवं बेटियों की सुरक्षा व सम्मान की शुरूआत घर से होने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बेटा-बेटी में कोई भेद नहीं। कोख में बेटियों की हत्या और बाल-विवाह की सार्वजनिक रूप से निंदा होनी चहिए। राज्य सरकार पूरी मजबूती से बेटियों के उत्थान के लिए संकल्पित है। हां, अपने खिलाफ होने वाली हिंसा या अपराध की शिकायत जरूर करें।

6231 अभ्यर्थियों ने दी बीएड की संयुक्त प्रवेश परीक्षा

दोनों पालियों में 2197 अभ्यर्थियों ने छोड़ी परीक्षा

19 केंद्रों पर हुई परीक्षा, सुरक्षा का रहा चाक-चौबंद प्रबंध

परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण करती गाजीपुर डीएम।

केटी न्यूज/बलिया

जनपद में 19 केंद्रों पर गुरुवार को कड़ी सुरक्षा के बीच बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा संपन्न हुई। दोनों पालियों में 6231 अभ्यर्थियों ने जहां परीक्षा दी, वहीं 2197 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। इस दौरान जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने स्वयं परीक्षा केंद्रों पर जाकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। बता दें कि जनपद के 19 केंद्रों पर कुल 8428 अभ्यर्थियों के लिए चाक-चौबंद प्रबंध किया गया था। कलेक्ट्रेट में बने कंट्रोल रूम से अधिकारियों द्वारा मॉनिटरिंग की जा रही थी।

उल्लेखनीय है कि गुरुवार को 19 केंद्रों पर कुल 8428 अभ्यर्थियों के बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा के लिए व्यापक रूप से व्यवस्था की गई थी। लेकिन परीक्षा में कड़ाई के चलते दोनों पालियों में 2197 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। प्रत्येक केंद्र पर स्टेटिक मजिस्ट्रेट और पर्यवेक्षकों की तैनाती की गई थी। किसी भी प्रकार की शिकायत के लिए कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया था। परीक्षा के दौरान कक्षाओं में सीसीटीवी कैमरे से निगरानी की गई। जानकारी के अनुसार प्रथम पाली में सुबह 1102 तथा द्वितीय पाली में 1095 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। परीक्षा प्रभारी डॉ संतलाल पाल ने बताया कि शुचितापूर्ण तरीके से परीक्षा कराई गई है।

रोडवेज व रेलवे स्टेशन पर देखी गई भीड़

बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा के मद्देनजर अन्य दिनों की अपेक्षा गुरुवार को रोडवेज तथा रेलवे स्टेशन पर भारी भीड़ देखी गई। लिहाजा यहां भी सुबह से ही पुलिस बल तैनात कर दिया गया था। भीषण गर्मी में बसों तथा ट्रेनों में अभ्यर्थी जाते दिखाई दिए। अभ्यर्थियों का कहना था कि परीक्षा के मद्देनजर कम से कम बसों की संख्या बढ़ा देनी चाहिए थी।

बलिया में केन्द्र की जांच करते डीएम व एसपी।

मऊ में केन्द्र पर जांच करते वीक्षक।

बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा से 172 छात्र रहे अनुपस्थित

केटी न्यूज/मऊ। गुरुवार को मोहम्मदाबाद गोहना ब्लाक के कुल चार इंटर कॉलेजों में बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई। इसको लेकर उप जिलाधिकारी हेमंत कुमार चौधरी एवं पुलिस उपाधीक्षक डॉ अजय विक्रम सिंह ने प्रथम पाली एवं द्वितीय पाली की परीक्षा का जायजा लिया। कुल 172 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। प्रथम पाली की परीक्षा सुबह 9 से 12 बजे तक हुई। बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा के क्रम में नेशनल इंटर कॉलेज, टाउन इंटर कॉलेज, पब्लिक बालिका शहर इंटर कॉलेज एवं संत गणिनाथ पीजी कॉलेज में कुल 1700 परीक्षार्थी ने भाग लिया। इसमें 172 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा के दौरान प्रातः संत गणिनाथ राजकीय पीजी कॉलेज में स्टैटिक मजिस्ट्रेट के रूप में तैनात सहायक उप श्रम आयुक्त प्रभात कुमार सिंह ने छात्र छात्राओं के प्रवेश पत्रों का भी मिलान किया और निर्देश दिया कि आप लोग परीक्षा नियंत्रक द्वारा जारी किए गए नियमों का पालन करें। पूछे जाने पर एसडीएम हेमंत कुमार चौधरी ने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर शुचिता एवं सत्यता पूर्वक सीसीटीवी की निगरानी में परीक्षा संपन्न हुई।

गाजीपुर में 26 केंद्रों पर हुई बीएड की प्रवेश परीक्षा

- परीक्षा में 26 स्टेटिक मजिस्ट्रेट, 14 केंद्र प्रतिनिधि व 52 पर्यवेक्षक किए गए थे तैनात

केटी न्यूज/गाजीपुर

जिले में बीएड पाठ्यक्रम शैक्षिक सत्र 2023-25 में प्रवेश के लिए कुल 26 केंद्रों पर संयुक्त प्रवेश परीक्षा शान्तिपूर्ण और कदाचार मुक्त संपन्न हुई। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने परीक्षा केंद्रों का खुद जायजा लिया। डीएम स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरा बाजार पहुंचीं और आवश्यक निर्देश भी दिए। बता दें कि परीक्षा जनपद के कुल 26 केंद्रों पर कराई गई। इस परीक्षा में 26 स्टेटिक मजिस्ट्रेट, 14 केंद्र प्रतिनिधि एवं 52 पर्यवेक्षक लगाए गए थे। परीक्षा दो पालियों में संपन्न हुई। प्रथम पाली प्रातः नौ से 12 बजे तक एवं द्वितीय पाली में दो से पांच बजे तक परीक्षा संपन्न कराई गई।

एक नजर

नवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 'हर घर योग' के तहत योग सप्ताह का शुभारंभ

केटी न्यूज/गाजीपुर। नवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एवं योग सप्ताह को हर घर योग (15 से 21 जून 2023) को सफल बनाने के उद्देश्य से नगर पालिका अध्यक्ष सरिता अग्रवाल एवं मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य ने आमघाट गाधी पार्क महुआबाग में भगवान धन्वंतरि के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित एवं माल्यार्पण कर शुभारंभ किया गया। योग सप्ताह के शुभारंभ के अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि योग हमारी जीवन शैली का अहम हिस्सा है। यह आज से नहीं, बल्कि कई सालों से भारतीय संस्कृति का अहम हिस्सा बना हुआ है। योग शरीर से लेकर मस्तिष्क तक के लिए भी फायदेमंद है। यह आपके शरीर को लचीलापन रखने के साथ-साथ मांसपेशियों में ताकत और बॉडी टोन करने के लिए भी फायदेमंद है। योग आपके जीवन में एक नई उर्जा का प्रवाह करता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए और योग को लेकर ज्यादा से ज्यादा लोगों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए हर साल 21 जून को इंटरनेशल योग दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष 15 जून 2023 से 21 जून 2023 तक योग सप्ताह के रूप में मनाया जाएगा। जिसे दृष्टिगत रखते हुए जिला स्पोर्टस स्टेडियम में योग सप्ताह का शुभारंभ किया गया है।

गाजीपुर में चोरी के आरोप में 12 लोगों पर एफआईआर

केटी न्यूज/ गाजीपुर। गुरूवार को गाजीपुर में विद्युत वितरण खण्ड द्वितीय के अधिशासी अभियंता सुजीत कुमार सिंह के निर्देश पर हाई लाइन लॉस वाले फीडर पर सहायक अभियंता सुधीर कुमार एवं अवर अभियंता अमित गुप्ता के नेतृत्व में रौजा क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। बिजली विभाग की रेड से अवैध कनेक्शन वाले लोगों में हड़कम्प मचा रहा। छापेमारी में 12 लोगों को कटिया लगाकर बिजली उपभोग करते हुए रंगेहाथ पकड़ा गया। सभी के ऊपर विजिलेंस थाने में मुकदमा पंजीकृत कराया गया है। वहीं 4 लाख के बकाया पर कुल 13 लोगों की बिजली पोल से डिस्कनेक्ट की गई और 4 लोगों का मौके पर मीटर रिप्लेस किया गया। वहीं, चेकिंग के दौरान मोहल्ले में अफरा-तफरी मची रही। सहायक अभियंता सुधीर कुमार ने बताया कि रौजा क्षेत्र के मोहल्ला चंदन नगर, कृष्णापुरी, चंदवाहा में हाई लाइन लास है, जिससे आए दिन ट्रांसफार्मर जलना, तार टूटना, लो वोल्टेज की समस्या आती है। इसी कड़ी में आज रेड किया गया, जिसमें 12 लोग मौके पर विद्युत चोरी करते हुए पाए गए। इसमें सभी लोगों के खिलाफ बिजली चोरी में विजिलेंस थाने पर मुकदमा करवाया गया है।

गंगा में नहाने गए युवक की डूबने से मौत

केटी न्यूज/गाजीपुर। गुरूवार को गाजीपुर जिले के जमानियां कोतवाली क्षेत्र के मन्नान गंगा घाट पर स्नान करते समय एक युवक गहरे पानी में चले जाने से डूब गया। जिसके चलते मौके पर मौजूद लोगों में अफरातफरी मच गई। घटना की सूचना ग्रामीणों ने पुलिस को दिया। मौके पर पहुंची पुलिस स्थानीय गोताखोरों की मदद से डूबे युवक की खोजबीन में जुट गई। काफी मशक्कत के बाद डूबे युवक को नदी से बाहर निकाला जा सका। पुलिस ने डूबे युवक की पहचान के लिए उसके शव को? नदी किनारे रख दिया। इसी दौरान उसके पाकेट से मिले कागजात के जरिए उसकी पहचान छोटू उर्फ अमित खत्री (32) निवासी बुद्धिपुर जमानियां कस्बा के रूप में हुई। जिसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर इसकी सूचना मृतक के परिजनों को दे दिया। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

यूपी के मुख्यमंत्री योगी के जन्मदिन पर रामकथा का हुआ आयोजन

संतों की वंदना कर उनके रहस्यों एवं आदर्शों को जीवन में उतारें : अजय सिंह योगी

- दोनवार के शिवमंदिर पर 5 से 13 जून तक हुई संगीतमय श्रीराम कथा

केटी न्यूज/मऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ के जन्मदिन 5 जून से 13 जून तक प्राचीन शिव मन्दिर लैरो दोनवार पर आयोजित अस्तोत्तरसत रुद्राभिषेक व संगीतमय श्री राम कथा के विश्राम दिवस बुधवार की सुबह सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक किया। साथ ही रात्रि में संगीतमय श्रीरामकथा में भगवान श्री राम के पूरे चरित्र का श्रवण किया।

कथा विश्राम के समय अजय सिंह योगी सेवक द्वारा सभी भक्तों की तरफ से कथावाचक भार्गव मुनीष त्रिपाठी जी सहित सभी आचार्य गणों को स्मृति चिन्ह व अनुष्ठान में कार्य करने वाले सभी कार्यकताओं को भगवा अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कथा वाचक भार्गव मुनीष त्रिपाठी जी ने कहा कि आज कल जन्मदिन के अवसर पर लोग न जाने क्या-क्या गिफ्ट देते हैं। लेकिन योगी जी के जन्मदिन पर अजय सिंह योगी सेवक ने जो उपहार स्वरूप श्री रामकथा दिया है वो सनातन परम्परा के लिए एक नया अध्याय है। श्रीराम कथा कराना व

कथावाचक को सम्मानित करते सदस्य।

उसे श्रवण करना मनुष्य को भव सागर पार करा देता है। ये वो कथा है जिसे भगवान भोलेनाथ सदैव सुनते व कहते रहते हैं। आप सभी श्रीराम के चरित्र को अपने जीवन में उतारने का प्रयास करिए। आपका जीवन सुख-समृद्धि व यश-वैभव से भर जाएगा।

कथा विश्राम पर आयोजक अजय सिंह योगी सेवक ने कहा मैं पूरे क्षेत्र के लोगों की तरफ से कथा वाचक भार्गव मुनीष त्रिपाठी, आचार्य शुभम जी व उनकी पूरी टीम को हृदय से धन्यवाद देता हूं। उन्होंने संतों के रहस्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संत परोपकारी होते हैं। जैसे कपास का फूल अपने अस्तित्व को समाप्त करने के बावजूद दूसरे को उज्ज्वलता प्रदान करता है, ठीक उसी तरह संत भी अपनी पहचान को मिटाते हुए अज्ञानता, अविवेक समाप्त करते हैं। संतों की वंदना कर उनके रहस्यों एवं आदर्शों को जीवन में उतारें। उन्होंने कहा कि श्री राम कथा एक राष्ट्रीय मार्ग की भांति हमें हमारी मंजिल तक पहुंचाने का मार्ग प्रदर्शित करती है। उक्त अवसर पर रामनिवास मौर्य, डॉ मिथिलेश चौरसिया, आर्यन सिंह, अंश सिंह, सूरज गोंड़, सूरज प्रजापति, विशाल कनौजिया, संदीप कनौजिया, विपुल सिंह, दुर्गेश सिंह, सौरभ सिंह, चन्दन मौर्य, आदित्य मौर्य, चंदन मौर्य सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।